khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

गुरूवार – 22 जून 2023
वर्ष : 02 – अंक : 241
पृष्ठ–8 मूल्य – 1:00 रूपये
आरएनआई :
UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर दृष्टिकोण

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

2 आशियाना समेत कई थाना क्षेत्रो में बंद मकानों....

3 दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण ...

5 योग दिवस के अवसर पर आयुष विभाग द्वारा हर....

मणिपुर में इंटरनेट पर बैन 25 जून तक बढ़ा, स्कूल भी 1 जुलाई तक बंद

इंफाल। मणिपुर में 3 मई से शुरू हुआ हिंसा का दौर मंगलवार को भी शांत नहीं हुआ। हालात को देखते हुए 4 मई से बंद स्कूलों की छुट्टियां एक बार फिर बढ़ा दी गई हैं। पहले स्कूल 21 जून को खोलने की तैयारी थी, लेकिन स्थिति काबू में नहीं आने पर स्कूलों की छुट्टियां 1 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। उधर, राज्य में इंटरनेट बैन को 25 जून तक बढ़ा दिया गया है। हालांकि मणिपुर HC ने राज्य सरकार को सीमित नेट सेवा प्रदान करने का निर्देश दिया है। जस्टिस अहंथेम बिमोल सिंह और ए गुनेश्वर शर्मा ने कहा कि इंटरनेट कुछ लोगों के लिए काम करने के लिए जरूरी है, खासकर स्टूडेंट्स के एडमिशन के संबंध में। वहीं, सेना ने प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के चार सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। उनके पास से 51 मिलीमीटर की मोर्टार और बम बरामद किया गया है। सेना ने ट्वीट कर जानकारी दी कि 19 जून की शाम को लिलोंग इलाके में चलाए गए चेकिंग अभियान में इन्हें पकड़ा गया है।

इम्फाल वैली में 100 एटीएम लेकिन पैसे सिर्फ 5-10 में–इंटरनेट सेवा बंद होने से लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। एटीएम से रुपए निकालना भी मुश्किल हो गया है। इम्फाल वैली के वांगखाई के रहने वाले प्रीतम सिंह रुपए निकालने के लिए सुबह से तीन-चार एटीएम की खाक छान ली, लेकिन रुपए नहीं निकाल पाए। इसके बाद वे दूसरे इलाके सिंगजेमे बाजार पहुंचे। प्रीतम सिंह का कहना है, 'यहां करीब 100 एटीएम है जिनमें से केवल 5 से 10 एटीएम में ही रुपए हैं। इंटरनेट बंद होने से ऑनलाइन पैमेंट बंद है, केवल नकदी में ही खरीदारी करनी पड़ रही है। इसलिए रोजाना एटीएम जाना पड़ता है। कई बार लाइन में नंबर आते-आते एटीएम में रुपए खत्म हो जाते हैं। मणिपुर के लोग मोबाइल रिचार्ज के लिए दूसरे राज्यों में रहने वाले रिश्तेदारों पर निर्भर हैं।

एक वैश्विक आंदोलन बन गया है योगः पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से योग एक वैश्विक आंदोलन बन गया है।

अमेरिका की यात्रा पर गए श्री मोदी ने बुधवार को नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग पर अपने एक वीडियो संदेश में देशवासियों को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार विभिन्न दायित्वों की वजह से वह अमेरिका में हैं। उन्होंने कहा कि वह भारतीय समयानुसार आज शाम शेड पांच बजे बजे संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित योग दिवस समारोह में शामिल होंगे।

श्री मोदी ने कहा कि भारत के आह्वान पर दुनिया के 180 से ज्यादा देशों का एक साथ आना, ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा ,÷ आप सबको याद होगा, 2014 में जब यूएन जनरल एसम्ब्ली में योग दिवस का प्रस्ताव आया, तो रिकॉर्ड

देशों ने इसे समर्थन दिया था। तब से लेकर आज तक, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के जरिए योग एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, ग्लोबल स्पिरिट बन गया है।

श्री मोदी ने कहा कि इस साल योग दिवस के कार्यक्रमों को 'ओसियन रिंग ऑफ योग' ने और विशेष बना दिया है। यह योग के विचार और समुद्र के विस्तार के पारस्परिक संबंध पर आधारित है। सेना के जवानों ने भी हमारे जलस्रोतों के साथ एक योग भारतमाला और योग सागरमाला% बनाई है। इसी तरह, आर्कटिक से लेकर अंटार्कटिका तक भारत के दो रिसर्च बेस यानि पृथ्वी के दो ध्रुव भी योग से जुड़ रहे हैं। योग के इस अनूठे समारोह में देश-दुनिया के करोड़ों लोगों का इतने सहज स्वरूप में शामिल होना, योग के प्रसार और प्रसिद्धि को उसके महात्म्य को उजागर करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग के लिए कहा गया है- योगः कर्मसु कौशलम। यानी, कर्म में कुशलता ही योग है। आज़ादी के अमृतकाल में ये मंत्र हम सभी के लिए बहुत अहम है।जब हम अपने कर्तव्यों के लिए समर्पित हो जाते हैं, तो हम योग की सिद्धि तक पहुँच जाते हैं। योग के जरिए हम निष्काम कर्म को जानते हैं, हम कर्म से कर्मयोग तक की यात्रा तय करते हैं। मुझे विश्वास है, योग से हम अपने स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाएँगे, और इन संकल्पों को भी आत्मसात करेंगे। हमारा शारीरिक सामर्थ्य, हमारा मानसिक विस्तार, हमारी चेतना शक्ति, हमारी सामूहिक ऊर्जा विकसित भारत का आधार बनेंगे।

शाह आज बालाघाट में, रानी दुर्गावती गौरव यात्रा का करेंगे आरंभ

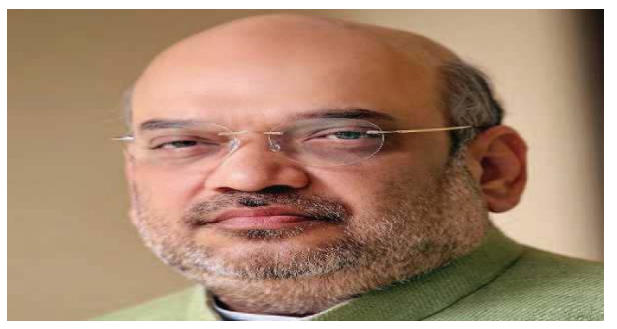

भोपाल। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह आज मध्यप्रदेश के बालाघाट के एकदिवसीय प्रवास पर रहेंगे।

इस दौरान वे केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित एक जन सभा को संबोधित करेंगे। उनका यहां एक रोड शो भी होगा। दोनों कार्यक्रमों के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

श्री शाह भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित वीरांगना रानी दुर्गावती गौरव यात्रा का यहां से आरंभ करेंगे।

गृह मंत्री के बालाघाट दौरे से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं उनके इस दौरे की तैयारियों पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने इसके लिए समीक्षा बैठक भी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि श्री शाह का 22 जून को बालाघाट आगमन हो रहा है, जो बालाघाट के लिए सौभाग्य की बात है। उनका आना अपने आप में महत्वपूर्ण है।

योग शून्य बजट वाला स्वास्थ्य बीमा, भारत के प्रयासों से बना वैश्विक पर्व : उपराष्ट्रपति

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज कहा कि योग शून्य बजट वाला स्वास्थ्य बीमा है और भारत के प्रयासों से ये एक वैश्विक पर्व बन गया है, जो हर देश में मनाया जा रहा है। धनखड़ मध्यप्रदेश के जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अंतराष्ट्रीय योग दिवस विश्व-बंधुत्व के संदेश का दिवस है। इस वर्ष की थीम वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग हमारी साझी आकांक्षाओं और संस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। यह इस साल भारत की मेज़बानी में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन की विषयवस्तु के भी पूर्णत- अनुकूल है।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा इतने अधिक वोटों से और कम से कम समय में योग को अंतर्राष्ट्रीय रूप में स्वीकृति देना भारतीय नेतृत्व की दूरदृष्टि की स्वीकृति है। भारत के प्रयासों से योग अब एक वैश्विक पर्व बन गया है। आज देश

के हर कोने में और दुनिया के हर देश में यह पर्व मनाया जा रहा है।

श्री धनखड़ ने कहा कि योग किसी व्यक्ति मात्र के लिए नहीं, संपूर्ण मानवता के लिए है। योग ने आर्थिक स्वरूप भी ले लिया है, जो अर्थव्यवस्था को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। हमारे प्रशिक्षित योग टीचर दुनिया में कार्यरत है और योग से जुड़े शिक्षकों की मांग बढ़ रही है। योग मन, शरीर और आत्मा को शुद्ध बनाता है। ये शून्य बजट वाला स्वास्थ्य बीमा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हींग लगे ना फिटकरी और रंग भी चोखो आए , ये ही योग का मंत्र है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के वीडियो संदेश को भी चलाया गया।

आरोपी को सबक सिखाने के लिए कैद की अवधि नहीं बढ़ा सकते-हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपहरण के मामले में एक व्यक्ति को जमानत देते हुए कहा कि आरोपी को सबक सिखाने के लिए सुनवाई के दौरान कारावास की अवधि नहीं बढ़ाई जा सकती। जस्टिस विकास महाजन ने कहा कि लगभग दो साल और नौ महीने तक हिरासत में रहे अभियुक्तों से कोई बरामदगी करने की आवश्यकता नहीं है और मामले की सुनवाई समाप्त होने में लंबा समय लगेगा। इस महीने की शुरुआत में दिए अपने फैसले में कोर्ट ने कहा, मुकदमें के दौरान, अभियुक्त को केवल सबक सिखाने के उद्देश्य से कारावास नहीं बढ़ाया जा सकता है। अभियोजन और बचाव पक्ष के बीच सुनवाई अभी बाकी है। अदालत ने कहा, इस स्तर पर, मामले के गुण-दोष में गए बिना, यह अदालत की राय है। याचिकाकर्ता को सितंबर 2020 में 24 वर्षीय कथित पीड़ित महिला के परिवार द्वारा गुमशुदगी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित महिला के पिता ने आरोप लगाया कि अपहरणकर्ताओं ने फिरौती के रूप में 40 लाख रुपये की मांग की और मांग पूरी नहीं किए जाने पर बेटी को जान से मारने की धमकी दी। अदालत ने कहा कि अपराध की

गंभीरता जमानत से इनकार करने का एकमात्र मानदंड नहीं है और केवल इसलिए कि अपराध गंभीर प्रकृति का था, यह अनिश्चित काल के लिए विचाराधीन कैदी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को कम करने का आधार नहीं हो सकता।

अदालत ने कहा कि एक व्यक्ति जिसे दोषी नहीं ठहराया गया है, उसे केवल तभी हिरासत में रखा जाना चाहिए जब उसके फरार होने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने या गवाहों को धमकाने की संभावना हो। अदालत ने पाया किया कि चार्जशीट पहले ही दायर की जा चुकी है और पीड़िता का एक्जामिनेशन इन चीफ दर्ज कर लिया गया है। एक्जामिनेशन-इन-चीफ एक अदालती प्रक्रिया है जिसमें वकील अपने कानूनी तर्कों को साबित करने के लिए अपना पहला सवाल अपने स्वयं के गवाह से करते हैं।

अदालत ने कहा, अभियोजन पक्ष ने 23 गवाहों का हवाला दिया है और मुकदमे को पूरा करने में काफी समय लगेगा। अभियोजन पक्ष का यह भी मामला नहीं है कि याचिकाकर्ता एक आदतन अपराधी या कठोर अपराधी है, जो जमानत पर रिहा होने की स्थिति में, न्याय से भाग सकता है या फिर से ऐसी गतिविधियों में शामिल हो सकता है। अदालत ने आदेश दिया, ऐसे में, याचिका की अनुमति दी जाती है और याचिकाकर्ता को 20,000 रुपये के व्यक्तिगत मुचलके और इतनी ही राशि के एक जमानत बांड के साथ जमानत दी जाती है।

मध्यप्रदेश के विद्यालयों में योग की शिक्षा होगी अनिवार्य : शिवराज

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि प्रदेश में विद्यालयों में योग की शिक्षा अनिवार्य की जाएगी। चौहान यहां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित योग दिवस के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी उपस्थित थे। समारोह में श्री चौहान ने कहा कि आज जबलपुर, मध्यप्रदेश और पूरा देश योगमय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संपूर्ण विश्व योगमय है। भारत आज

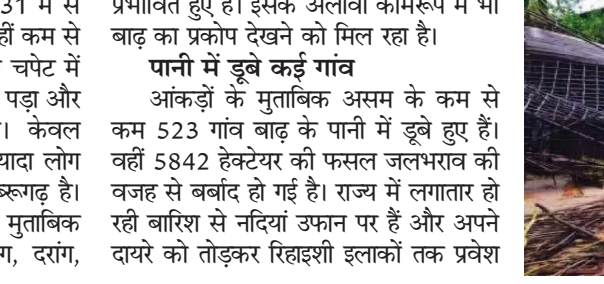

संपूर्ण विश्व में छाया हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत के ऋषियों ने कहा, केवल हमारा नहीं, विश्व का कल्याण हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ा सुख निरोगी काया है। प्रदेश में सरकार ने विद्यालयों में योग शिक्षा अनिवार्य करने का फैसला किया है। योग कोई संकीर्ण चीज नहीं है। इसका किसी पंथ से कोई संबंध नहीं है। ये विश्व कल्याण के लिए है। सभी को रोज योग करना चाहिए। स्वस्थ रहना देश की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और वे स्वयं भी रोज योग करते हैं।

24 जनवरी से भक्तों के लिए खुलेगा राम मंदिर, नृपेंद्र मिश्र बोले- 10 दिन चलेगा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम

अयोध्या। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि परिसर में निर्माणाधीन राम मंदिर जनवरी, 2024 में खुल जाएगा। 24 जनवरी से भव्य गर्भगृह में भक्तों को रामलला के दर्शन मिलने लगेंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मकर संक्रांति से शुरू होगा। भव्य गर्भगृह में रामलला को विराजित करने पीएम नरेंद्र मोदी अयोध्या आएंगे।

यह बात राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने एक न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि दिसंबर, 2023 तक राममंदिर भक्तों के दर्शन लायक बन जाएगा। तीन मंजिला राम मंदिर के भूतल का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के पदाधिकारियों के मुताबिक रामलला की प्राण प्रतिष्ठा मकर संक्रांति के बाद होनी चाहिए। ऐसे में 14-15 जनवरी, 2024 से 24 जनवरी के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का 10 दिवसीय अनुष्ठान पूरा कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि रामलला की

प्राण प्रतिष्ठा के लिए ट्रस्ट ने देश के टॉप के ज्योतिषियों से शुभ मुहूर्त निकलवाए हैं। ज्योतिषियों ने शुभ मुहूर्त में 21, 22, 24 और 25 जनवरी की तारीख बताई है। ट्रस्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो सकती है, क्योंकि यह सबसे उत्तम तारीख बताई जा रही है।

गर्भ गृह के मुख्य द्वार पर होगी सोने की परत–नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि गर्भ गृह के मुख्य द्वार पर सोने का कवर होगा। मंदिर का 161 फीट ऊंचा शिखर भी सोने से मढ़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मन में था कि अयोध्या तभी जाएंगे, जब मंदिर की आधारशिला रखी जाएगी। तभी वे 5 अगस्त, 2021 को यहां आए थे।

मैसूर से आए पत्थरों से बनाई जा रही प्रतिमा–करीब 20 दिन पहले चंपत राय ने बताया था कि ग्राउंड फ्लोर तैयार होने के बाद मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। दिसंबर तक मंदिर को फाइनल टच दिया जाएगा। रामलला की प्रतिमा 51 इंच होगी। कर्नाटक के मैसूर से आए दो पत्थरों से प्रतिमा बनाई जा रही है। रामलला की एक अन्य मूर्ति राजस्थान के मकराना मार्बल से बनाई जा रही है। मूर्तिकार अरुण योगीराज अपनी पसंद का पत्थर कर्नाटक से लेकर आए हैं। राम मंदिर में दो पत्थरों को आपस में जोड़ने के लिए तांबे की पत्ती का इस्तेमाल किया जा रहा है। मंदिर में फसाद लाइट भी लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया था कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के लिए रामलला की 3 मूर्तियों का निर्माण शुरू हो गया है। सिर पर मुकुट, हाथ में धनुष-बाण लिए रामलला की मूर्तियां बनाई जा रही हैं। इनके लिए कर्नाटक की 2 श्याम शिला और राजस्थान के श्वेत संगमरमर का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि अभी ये निश्चित नहीं है कि इनमें से कौन-सी मूर्ति गर्भगृह के लिए चुनी जाएगी।

असम में बाढ़ की चपेट में हैं 35 हजार लोग, पर सैलाब अभी बाकी है; फिर होगी बारिश

गुवाहाटी। देश में एक तरफ कई राज्य भीषण गर्मी के बीच मानसून का इंतजार कर रहे हैं तो दूसरी तरफ असम भारी बारिश की वजह से बेहाल है। असम के कुल 31 में से 19 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। वहीं कम से कम 34 हजार लोग इस आपदा की चपेट में आ गए हैं जिन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा और अपना घर बार भी छोड़ना पड़ा। केवल लखीमपुर जिले में 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। दूसरे नंबर पर डिब्रूगढ़ है। असम आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक बाकसा, बारपेटा, बिस्वनाथ, चिरांग, दरांग, देमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, होजाई, कोकराझार, लखीमपुर, नागांव, नालबाड़ी, सोनितपुर, तामूलपुर, उदालगुरी जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा कामरूप में भी बाढ़ का प्रकोप देखने को मिल रहा है।

पानी में डूबे कई गांव

आंकड़ों के मुताबिक असम के कम से कम 523 गांव बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं। वहीं 5842 हेक्टेयर की फसल जलभराव की वजह से बर्बाद हो गई है। राज्य में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं और अपने दायरे को तोड़कर रिहाइशी इलाकों तक प्रवेश

कर गई हैं। हालांकि गनीमत यह है कि बाढ़ की वजह से अब तक कोई मौत रिपोर्ट नहीं हुई है। वहीं बाढ़ की वजह से कटाव हुआ है और इन्फ्रास्ट्रक्चर को बड़ा नुकसान पहुंच रहा है।

ब्रह्मपुत्र नदी में चलने वाली फेरी सर्विस को रोक दिया गया है। मौसम विभाग ने की जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। एएसडीएमए ने कहा है कि भारी बारिश की वजह से ब्रह्मपुत्र और इसकी सहायक नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है।

मौसम विभाग ने किया अलर्ट

एएसडीएमए ने यह भी कहा है कि भूटान में होने वाली भारी बारिश की वजह से भी ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को चेतावनी दी गई है कि वे आपातकालीन किट के साथ तैयार रहें और नदी में ना उतरें। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों में असम के कई जिलों में भारी से भारी वर्षा हो सकती है। दीमा हसाओ, करीमगंज और कामरूप में कई जगहों पर भूस्खलन की भी घटनाएं हुई हैं। हालांकि अभी तक यातायात बाधित नहीं हुआ। असम के बड़े शहर गुवाहाटी और सिलचर इन दिनों जलभराव का सामना कर रहे हैं।

आशियाना समेत कई थाना क्षेत्रो में बंद मकानों को निशाना बना चोरी करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

डीसीपी पूर्वी क्राइम व सर्विलांस टीम समेत आशियाना पुलिस की संयुक्त कार्यवाई में शातिर हुए गिरफ्तार

भारी मात्रा में चोरी के कीमती आभूषण बरामद,डीसीपी पूर्वी ने किया खुलासा

आलमबाग खबर दृष्टिकोण। लखनऊ पूर्वी क्षेत्र के आशियाना थाना क्षेत्र समेत कैंट व चिनहट थाना क्षेत्र में हुए बंद मकानों में चोरी की घटनाओ के खुलासे के डीसीपी पूर्वी द्वारा स्थानीय थाने की पुलिस टीम समेत क्राइम टीम समेत सर्विलांस को लगाया था। संयुक्त कार्यवाई में पुलिस टीम ने सफलता प्राप्त करते हुए बुधवार को आशियाना थाना क्षेत्र से तीन शातिर चोरो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में कीमती आभूषण बरामद कर कई चोरियों का खुलासा किया है। पुलिस उप आयुक्त पूर्वी ह्रदेश कुमार ने बुधवार को अपने कार्यालय पर चोरियों का खुलासा करते हुए बताया कि क्राइम टीम सर्विलांस टीम एवं आशियाना थाने की पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना आधार पर त्वरित कार्यवाई करते हुए बुधवार को औरंगाबाद अंडरपास के पास से तीन शातिर चोरो को गिरफ्तार किया गया है। जो पेशेवर अपराधी है और पूर्व में भी आशियाना पीजीआई समेत कई थाना क्षेत्रो में इनके आपराधिक इतिहास है और जेल जा चुके है जमानत पर जेल से छूट गिरोह बनाकर फिर घटनाओ को अंजाम दे रहे है। जिनके कब्जे से बंद घरो से चोरी किये गए भारी मात्रा में कीमती सोने चांदी के आभूषण बरामद हुआ है। पुलिस की कड़ी पूछताछ में गिरफ्त में आये शातिरों ने कबूल किया है कि उनलोगो ने मिलकर आशियाना के रतन खंड में ,कैंट थाना क्षेत्र में दो चोरिया एवं चिनहट में हाल ही में हुए चोरी की वारदात को स्वीकार किया है जिनका खुलासा हुआ है। अपना परिचय राहिल उर्फ लगड़ा पुत्र असार निवासी सालेहनगर कांशीराम आवास कालोनी निकट किला चौराहा थाना आशियाना,अरमान उर्फ भयऊ पुत्र मुन्ना फकीर निवासी सालेहनगर कांशीराम आवास कालोनी निकट किता चौराहा थाना आशियाना एवं अब्दुल पुत्र अमीन निवासी झोपड़पट्टी निकट रेलवे क्रासिंग बंदरियाबाग थाना गौतमपल्ली जनपद लखनऊ के रूप में दिया है।

ये सामान हुआ बरामद

आशियाना प्रभारी मनोज कुमार भदौरिया के मुताबिक शातिर पेशेवर अपराधी है जो बंद मकानों को निशाना बना ताला तोड़ चोरी की घटनाओ को अंजाम देते थे। जिनके कब्जे से पुलिस टीम को बंद मकानों से चोरी किये गए आभूषणों में 05 गले की चेन,06 सोने की चूड़ी, 05 अंगूठी, एक मंगलसूत्र, एक जोड़ी कान के टप्स,चार ईयर रिंग,एक नाक की नथ, तीन जोड़ी पायल, एक चांदी का गिलास सफेद,एक चम्मच, चार जोड़ी बिछिया, पांच छोटे बड़े चांदी के सिक्के एवं एक ईयर फोन बरामद हुआ है।

आईसक्रीम फैक्ट्री की ट्रालियों में उतरे करेंट की चपेट में आकर रिटायर्ड सैनिक की मौत

मोहनलालगंज के गौरा में आइसक्रीम फैक्ट्री के बाहर फ्रिजर लगी ट्रालियों में उतरे करेंट की चपेट में आकर रिटायर्ड सैनिक की मौत, मचा कोहराम

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज के गौरा में एक आइसक्रीम फैक्ट्री के बाहर फ्रीजर लगी ट्रालियों में उतरे करेंट की चपेट में आकर बुद्धवार की सुबह रिटायर्ड सैनिक की मौत हो गयी ।सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया ।पड़ोसियों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव लो कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेजा। मृतक के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने आइसक्रीम फैक्ट्री के मालिक पर मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार मोहनलालगंज के गौरा गांव में हाइवे किनारे रिटायर्ड सैनिक रमेश चन्द्र(52वर्ष) ने काफी समय पहले एक मकान खरीदा था,जिसके प्रथम तल पर वो निर्माण करा रहे थे,जब कि उनका पूरा परिवार रामनगर कालोध्नी, नीलमथा थाना कैंट में बने मकान में रहता थाध।बेटे प्रदीप ने बताया पिता रमेश चन्द्र बीते मगंलवार को ही नीलमथा स्थित घर से गौरा स्थित मकान पर आये थे,जहां मकान निर्माण के लिये घर के बाहर लगी मौरंग की चलाई करने के लिये बुधवार की सुबह निकले थे,तभी उनके मकान के एकदम बगल स्थित वरिस्ता आईसक्रीम फैक्ट्री के बाहर खड़ी ट्रालियो में लगे फ्रिजर बिजली के बोर्ड से चार्जिगं में लगे थे,उनमें उतर रहे करंट की चपेट में आकर पिता रमेश चन्द्र की मौके पर मौत हो गयी,सुबह पड़ोसियो ने ट्रालियों में पिता को चिपका हुआ पड़ा देखा तो आनन–फानन फ्रिजरो का बोर्ड में लगा तार हटाकर पिता को हाइवे किनारे नाले पर लाकर लिटाया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पड़ोसियो की सूचना पर पत्नी नीलम व बेटे प्रदीप, कुलदीप मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया। मृतक का बड़ा बेटा संदीप भी सेना में है जिसे परिजनो ने फोन कर पिता के मौत की सूचना दी। अतिरिक्त इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार गौतम ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेजा। इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया मृतक ने बेटे प्रदीप की तहरीर पर आईसक्रीम फैक्ट्री के मालिक पर लापरवाही से मौत की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी गयी है।

संघ और भाजपा की बर्बादी के लिए काबा में मांगी गई दुआ,

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य हज कमेटी के चेयरमैन व पूर्व राज्यमंत्री मोहसिन रजा ने मंगलवार को वीडियो ट्वीट कर दावा किया है कि भारत से सऊदी अरब हज करने गए लोगों ने भाजपा और आरएसएस की बर्बादी की दुआ मांगी। उन्होंने गृह मंत्रालय और सुरक्षा एजेंसियों से वीडियो की सच्चाई का पता कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही कहा कि इनके पीछे छिपे हुए लोगों और संगठनों की जांच हो, उन पर देशद्रोह का मुकदमा होना चाहिए। इनकी नागरिकता समाप्त करते हुए उन्हें उनकी मानसिकता वाले देश में भेज देना चाहिए। रजा ने कहा कि हज जैसी पवित्र यात्रा और काबा जैसे मुकद्दस जगह भी देश विरोधी विदेशी ताकतों के हाथों का खिलौना बन कर चंद लोगों ने अपनी नकारात्मकता वाली सोच का प्रदर्शन किया है।

राजकीय आईटीआई आयोजित रोजगार मेले में 333 युवाओं को मिला रोजगार

लखनऊ खबर दृष्टिकोण। लखनऊ अलीगंज स्थित राजकीय आईटीआई कॉलेज में बुधवार को आयोजित रोजगार मेले में 19 कम्पनियों द्वारा रोजगार मेले मे प्रतिभाग किया गया। रोजगार मेले का उद्घाटन कालेज के प्राचार्य आर एन त्रिपाठी द्वारा किया गया । इस अवसर पर ट्रैनिग काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी एम ए खाँ, ने बताया कि रोजगार मेले में लगभग 632 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया जिसमें से 333 अभ्यर्थियों को कम्पनियो द्वारा 8000 से 26000 रुपये प्रतिमाह के वेतन पर जॉब के आफर दिये गये। जो अभ्यर्थी रोजगार मेले से वंचित रह गये है वे अभ्यर्थी 30 जून को होने वाले वृहद रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं।

पार्टी में चाकू से गोदकर दोस्त हत्या करने वाले आरोपी गिरफ्तार, चाकू समेत घटना में उपयुक्तकार बरामद

लखनऊ खबर दृष्टिकोण। गोमतीनगर थाना क्षेत्र में बीते 18 जून को पार्टी के दौरान फोन पर हुए विवाद के बाद पार्टी में पहुंचे चारपहिया सवार युवको ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। पिता की शिकायत पर हत्या की धारा में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए टीम गठित किया गया था। बुधवार को हत्या कांड में सम्मलित तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आलाकत्ल चाकू एवं घटना में उपयुक्त चारपहिया कार बरामद कर घटना का खुलासा किया गया है। पुलिस उपआयुक्त (पूर्वी) ह्रदेश कुमार ने आकाश की हुई निर्मम हत्या का खुलासा करते हुए बताया कि संजय गांधीपुरम थाना गाजीपुर निवासी मृतक आकाश पुत्र जगदीश कश्यप अपने दोस्त जय जयसवाल के साथ घर से चिकन खाने व पार्टी करने के लिए रेलवे क्रासिंग बडी जुगौली गोमतीनगर अविनाश के कमरे गये थे, जहां पर अविनाश, प्रिंश, रिषभ भी मौजूद थे। रिषभ ने अभय प्रताप सिंह से 15 सौ रूपये उधार ले रखा था जिसको वापस करने की बात को लेकर अभय प्रताप सिंह व रिषभ के बीच फोन पर गाली गलौज हुआ। जिस पर आकाश द्वारा अपने मित्र रिषभ के पक्ष में अभय प्रताप सिंह को गाली देकर देख लेने की धमकी दी गयी थी। जिससे अभय प्रताप सिंह आक्रोशित होकर देवांश उर्फ मनमोहन सिंह तथा अपने छोटे भाई मयंक प्रताप सिंह के साथ वाहन स्विफ्ट मारूति कार से अपने घर लखीमपुर खीरी से अविनाश के कमरे पर पहुँच गये । अभय प्रताप सिंह व देवांश उर्फ मनमोहन अपने हाथ में बडी धारदार चाकू लिए हुए थे, जो अपने पीछे छिपाए हुए थे और कमरे में आते ही आकाश पर चाकू से कई बार हमला कर दिया गया । जब आकाश बेहोश हो गया तो दोनो वहां से भाग निकले । आकाश को उनके मित्रों द्वारा केजीएमयू अस्पताल इलाज हेतु ले जाया गया जहां पर आकाश की मृत्यु हो गयी । पिता की शिकायत पर हत्यारो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम गठित किया गया था बुधवार आरोपी हत्यारे जुगौली स्थित अपने किराये के मकान से सामान लेने के लिए आये थे जिसपर पुलिस टीम घटना में शामिल तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आलाकत्ल चाकू एवं घटना में उपयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार बरामद कर इस हत्याकांड का खुलासा किया है । तीनो हत्यारो को दर्ज मुकदमे में कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है।

रेलवे ट्रैक घायल मिले युवक की इलाज के दौरान मौत

परिजनो ने हत्या के इरादे से युवक की पिटाई कर फुफा व उनके बेटे पर रेलवे ट्रैक पर फेके जाने का आरोप लगाया है,गायब मोबाइल फोन का भी पुलिस नही लगा सकी पता

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के बिन्दौवा गांव में रेलवे ट्रैक के बीचो बीच खून से लतपथ घायल अवस्था में पड़े मिले युवक आकाश(18वर्ष)निवासी डेहवा थाना मोहनलालगंज की बुधवार की सुबह ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गयीध।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा ।मृतक के बड़े भाई विजय ने अपने फुफा व उनके बेटे द्वारा भाई आकाश की पिटाई कर हत्या ने इरादे से उसे घायल अवस्था में रेलवे ट्रैक पर फेके जाने की आंशका जताते हुये पुलिस से लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। मृतक का गायब मोबाइल फोन का भी पुलिस पता लगाने में नाकाम रही। ज्ञात हो मोहनलालगंज के डेहवा गांव निवासी आकाश अपने फुफा शिवराज के घर अहमदपुर खालसा थाना धनिगोहां में रहकर मजदूरी करता था,बीते मगंलवार की सुबह बिन्दौवा गांव के बाहर रेलवे ट्रैक ने बीच में आकाश गम्भीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा था,सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो उसकी सांसे चल रही थीध,सिर के पिछले हिस्से में गम्भीर चोट लगी हुयी थी ।जिसके बाद पुलिस ने आनन–फानन एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिये सीएचसी भेजा था,जहां डाक्टर ने आकाश की हालत गम्भीर देख इलाज के लिये ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था,जहां भर्ती कराकर उसका इलाज चल रहा था,बुद्धवार की सुबह दो बजे के करीब इलाज के दौरान आकाश ने दम तोड़ दिया ।बुद्धवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद आकाश का शव डेहवा स्थित घर पहुंचा तो कोहराम मच गया ।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित विजय ने अपने फुफा व उनके बेटे पर छोटे भाई आकाश की हत्या के इरादे से पिटाई कर रेलवे ट्रैक पर फेके जाने का आरोप लगाते हुये तहरीर दी है ।जिसके आधार पर जांच शुरू कर दी गयी हैं ।पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

अप्रैल से मई माह तक परिवहन निगम की विभिन्न जांच दलों ने कुल 249028 बसों का किया गया

एक माह में 3.30 करोड़ रूपये शमन शुल्क वसूला गया

लखनऊ खबर दृष्टिकोण। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम प्रवर्तन दल टीम ने अप्रैल माह से मई माह तक परिवहन निगम की विभिन्न जांच दलों द्वारा कुल 249028 बसों की जांच की गई । इस एक माह में कुल 8445 बिना टिकट यात्रा करते यात्री पकड़े गये एवं 214.45 टन बिना बुक भार पकड़ा गया। जिसमे कार्यवाई के दौरान कुल 3.30 करोड़ रूपये प्रशमन शुल्क वसूला गया। यह जानकारी यूपीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने दी। उन्होंने बताया कि प्रवर्तन टीम द्वारा नियमित बसों की जांच की जाती है और गलत पाये जाने पर नियमानुसार कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशानुसार प्रवर्तन द्वारा उक्त जांच अभियान समय–समय पर आगे भी किया जाता रहेगा जिससे कि बिना टिकट यात्री एवं बिना बुक भार वाहन को रोका जा सके। प्रबंध निदेशक यूपीएसआरटीसी ने बताया कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के टाटा सूमो दल मुख्यालय नियंत्रित यातायात अधीक्षकों द्वारा पूरे प्रदेश में अप्रैल एवं माह मई में क्रमशः 19741 एवं 17286 बसों की चेकिंग की गयी। चेकिंग के दौरान क्रमशः 1131 एवं 1275 यात्री बिना टिकट पकड़ेगये जबकि बिना बुकिंग 40025 एवं 32350 भार का वाहन किया जा रहा था। ब्रेथ एनलाइजर द्वारा क्रमशः 4635 एवं 3593 बसों की चेकिंग की गयी ।एमडी यूपीएसआरटीसी ने बताया कि टाटा सूमो दल के अतिरिक्त यातायात अधीक्षकों की इन्टरसेप्टर दल ने अप्रैल एवं मई में क्रमशः 11164 एवं 17125 बसों की जांच की। जांच में क्रमशः 573 एवं 1109 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पाये गये। इस दौरान क्रमशः 15500 एवं 32350 किग्रा0 बिना बुक भार पकड़ा गया। इसी प्रकार क्षेत्रीय दल द्वारा माह अप्रैल एवं माह मई में क्रमशः 92599 एवं 91113 बसों की चेकिंग की गयी। जांच में क्रमशः 2057 एवं 2300 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गये एवं 86500 किग्रा0, 74325 किग्रा0 बिना बुक भार पकड़ा गया।

खबर एक नजर में

घर से दही लेने निकली किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

आलमबाग खबर दृष्टिकोण। आलमबाग थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व अपने घर से दही लेने निकली किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी तलाशने के बाद भी पुत्री का कोई पता न चलने पर पिता की शिकायत पर आलमबाग पुलिस ने गुमसुदगी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी है। आलमबाग थाना क्षेत्र मवैया निवासी विष्णु कश्यप के मुताबिक उनकी 16 वर्षीय किशोर पुत्री बीते 18 जून की दोपहर घर से दही लेने घर के निकट ही दुकान पर गई थी जिसके बाद घर वापस नहीं लौटी। परिचितों व रिस्तेदारो में काफी तलाशा लेकिन पुत्री का कोई पता नहीं चला जिसके बाद स्थानीय पुलिस से मदद की गुहार लगाते हुए लिखित शिकायत की है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश में जुटी है।

आलमबाग में दो खाताधारकों के खाते से जालसाजों ने 75 हजार रुपये उड़ाए

आलमबाग खबर दृष्टिकोण। आलमबाग थाना क्षेत्र में रहने वाले दो खाताधारकों से जालसाजों ने फोन कश्वल कर अपनी बातो के झांसे में लेकर विभिन्न तरीके से 75 हजार रूपये अश्वनलाइन ट्रांसफर करा लिए। अपने संग ठगी का एहसास होने पर खाताधारकों ने साइबर से में शिकायत कर स्थानीय पुलिस से शिकायत की है। आलमबाग कैलाश पूरी गली नंबर 8 मकान संख्या 554ध141में रहने वाले राम रतन ने बताया उनके पास सोमवार सुबह एक नंबर से फोन आया कश्वलर ने अपना परिचय आर्मी अश्वफिसर के रूप देते अपनी तैनाती जम्मू में बताया और उनका गोमती नगर का मकान किराये पर लेने का इच्छा व्यक्त किया साथ ही अपना आधार कार्ड आर्मी का पहचान पत्र भी भेजा और दिल्ली हेड क्वार्टर से तीस हजार रूपये का एडवांस भुगतान होने की बात कह लाइन पर लिए इस दौरान उन्हें बातो में उलझा दो बार में साठ हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। वहीं दूसरी तरफ कैलाश पुरी के ही मकान संख्या 568ध293 में रहने वाले जितेन्द्र कुमार राय सिविल कोर्ट में बाबू पद पर कार्यरत है। खाताधारक के मुताबिक बीते 5 जून की शाम उनके मोबाईल फोन पर एक नंबर से कश्वल आया कश्वलर ने सीधे उनका नाम लेते हुए अपने को परिचित जता अस्पताल में होने की बात कह मदद मांगी और कहा कि उसके खाते में वह 15 हजार रूपये ट्रांसफर कर दे अभी थोड़ी देर में वह 45 हजार रूपये ट्रांसफर करेगा। इस पर उन्होंने कश्वलर के भेजे गए लिंक पर पैसे ट्रांसफर कर दिए लेकिन उनके खाते में कोई पैसा नहीं आया। अपने संग ठगी का एहसास होने पर खाताधारकों ने साइबर सेल में शिकायत कर अपना खाता बंद करा स्थानीय थाने पर मोबाईल नंबर आधार पर शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर धोखाधड़ी अमानत में खयानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एजेंसी होल्डर को कारोबार में निवेश के नाम पर मुनाफे का लालच दे एक करोड़ रूपये ठगे

सरोजनीनगर खबर दृष्टिकोण। सरोजनीनगर थाने पर कारोबारी ने विदेश में हुए डील के बाद निवेश के बावजूद मुनाफे की रकम न देने एवं निवेश के रूपये को हड़प लेने का आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत किये है। पुलिस ने कारोबारी की शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में टाटा व बुलेट मोटरसाइकिल एजेंसी होल्डर गुंजन जैन पुत्र पीसी जैन के मुताबिक उनका लखनऊ में दो पहिया वाहनों का कई एजेंसी है। अपने कारोबार की बढ़ोत्तरी के लिए अक्सर विदेश यात्रा भी करते रहते है। कारोबारी के मुताबिक फरवरी 2023 में जर्मनी की यात्रा पर गए थे जहाँ उनकी भेंट ना ली नाम की व्यक्ति से हुई जिसने उनको बताया कि वाहन के क्रय विक्रय से अतिरिक्त वह यदि भारत में ही उसके द्वारा बताये हुये व्यापारों में उसके माध्यम से निवेश करे तो उसको निवेश की गई धनराशि के सापेक्ष प्रतिमाह न्यूनतम 10 प्रतिशत की आय होगी एवं उक्त व्यक्ति ने प्रार्थी को अपने लैपटप पर एक प्रेजेंटेशन भी दिखाया जो उन्हें बेहतर लगा और कारोबार में निवेश करने का मन बना लिया। जिसके बाद वापस भारत लौटने पर 21 अप्रैल से 19 मई तक कुल पांच बार में एक करोड़ रूपये कारोबार में निवेश किये। तय समय एक माह पुरा होने के पश्चात् जब उन्होंने अपना दस प्रतिशत मुनाफे की मांग किये तो उक्त उनके साथ आक्रोशित हो गए और कहा कि न कोई मुनाफा मिलेगा और न ही पैसा वापस मिलेगा जो करना हो कर लो। कारोबार में इस झटके से आहत व्यापारी ने डील कर्ता के खिलाफ नामजद लिखित शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ज्वैलर्स की दुकान में चोरी का प्रयास , चोरो की करतूत कैमरे में कैद

सरोजनीनगर खबर दृष्टिकोण। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते तीन दिन बेखौफ कार सवार चोरो ने चोरी के इरादे से एक ज्वैलर्स की दुकान का शटर तोड़ने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे। सुबह दुकान खोलने पहुंचे दुकान मालिक दुकान का शटर टेढ़ा देखा कैमरे के फुटेज आधार पर स्थानीय थाने पर मुकदमा दर्ज कराया है। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के हाइडिल चौराहे पर बेसमेंट में राजेंद्र सोनी पुत्र दुर्गा सोनी प्रभात ज्वैलर्स के नाम से सोने चांदी की दुकान है। दुकान मालिक के मुताबिक बीते 17 जून की तड़के 3:36 बजे वैगनार गाडी से आये कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उतर कर सटर तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया गया किन्तु चोरी करने में असफल रहे। सुबह समय जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो देखा की सटर टूटा है किन्तु सामान चोरी नहीं गया है । दुकान पर लगे सीसी कैमरे को चेक किया तो चोरो की करतूत उजागर हुई जिसकी शिकायत दुकान मालिक से की है। पुलिस ने शिकायत पर चोरी के प्रयास में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बंद घर का ताला तोड़ लाखो रुपयों के कीमती आभूषण चोरी, मुकदमा दर्ज

शादी में गया था परिवार चोरो ने किया सफाया।

सुशांत गोल्फ सिटी की घटना।

लखनऊ खबर दृष्टिकोण। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरो ने एक बंद मकान में घुस बक्से व आलमारी में रखे कीमती सोने चाँदी के जेवर बर्तन आदि चोरी कर फरार हो गए। वापस लौटे परिजनों ने घर में चोरी की जानकारी होने पर कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मचल खेड़ा अर्जुनगंज निवासी बिंद्रा प्रसाद पुत्र स्व पुत्तन के मुताबिक उनके ससुराल में शादी थी जिसमे सम्मलित होने परिवार के साथ बीते 18 जून को खुर्दही बाजार अपने ससुराल गए थे घर पर ताला बंद था। मंगलवार सुबह वापस लौटे तो देखा कि मेन गेट पर दूसरा ताला लगा हुआ था किसी तरह घर में जाकर देखा तो सारा सामान बिखरा था आलमारी बक्से खुले हुए थे घर में चोरी की जानकारी होने पर पीड़ित ने कंट्रोल नंबर पर सुचना दी। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोरो के खिलाफ चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं पीड़ित के मुताबिक चोरो ने उसके घर से करीब आठ से दस लाख रुपये कीमती गहने एवं अन्य सामानो की चोरी की है।

योग दिवस के अवसर पर आयुष विभाग द्वारा हर आँगन योग का कार्यक्रम हुआ सफल जिसमें योगासन व प्राणायाम से होने वाले लाभों के प्रति जागरूक किया गया

इस शुभ अवसर पर भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे,बी,सिंह ने अपने पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम में की शिरकत जिनको पुष्प दे कर चिकित्सा अधिकारी द्वारा सम्मान किया गया ।

खबर दृष्टिकोण लखनऊ।

लखनऊ। आयुष विभाग उत्तर प्रदेश के द्वारा ष्वसुधैव कुटुम्बकम् ष्के लिए योग हेतु नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21जून 2023 के अवसर संत गाडगे जलाशय पार्क, सरोजनी नगर, लखनऊ में ष्हर आंगन योगष पहुंचाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉक्टर राजकुमार यादव जी के दिशा निर्देशन में,प्रभारी डॉ बबीता केन के मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षिका नेहा सिंह व योग प्रशिक्षक पृथ्वी ने पार्क में उपस्थित जनसमूह को सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया । वर्षा के कारण विपरीत परिस्थितियां होने के बावजूद अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मे चिकित्साधिकारी डॉ मनोज कुमार, होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ मनोज कुमार मिश्रा, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सालेह नगर औरंगाबाद की प्रभारी डॉ मनोरमा, स्टाफ नर्स संयोगिता, फार्मासिस्ट राहुल,पैथोलोजिस्ट मनोज, कृष्णा पब्लिक इण्टर कालेज के प्रबन्धक एल.एम.यादव , भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह सहित 100 से अधिक जनमानस द्वारा अपनी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की गई। डॉ बबीता केन ने योगासन व प्राणायाम से होने वाले लाभ व सावधानियों के विषय मे बताते हुए कहा कि हम प्रतिदिन योगासनोंव प्राणायाम का अभ्यास कर शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं।कृष्णा पब्लिक इण्टर कालेज के प्रबन्धक एल.एम.यादव जी के सौजन्य से योग लाभार्थियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने में संतोषी बाला, रामभुवन यादव,संजीव अग्निहोत्री,गया प्रसाद, शिव प्रसाद,अनूप मौर्य, अमित,मोक्ष व सिद्धि का विशेष सहयोग रहा । संत गाडगे जलाशय पार्क में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम संपन्न कराने के पश्चात् डॉ बबीता केन ने आयुष हेल्थ एंड योग वेलनेस सेन्टर, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय चन्द्रावल, लखनऊ मेंअन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम संपन्न कराया। योग प्रशिक्षक रमाशंकर, योग प्रशिक्षिका सुमन भारती व योग सहायक सोनू गौतम द्वारा सेन्टर में आए रोगियों को योगाभ्यास कराया गया।

प्रवेअंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राजधानी लखनऊ समेत विभिन्न जनपदों में जनप्रतिनिधियों के साथ किया गया योगाभ्यास

लखनऊ खबर दृष्टिकोण। महामारी के इस दौर में योग द्वारा ही उसपर विजय प्राप्त कर अपने शरीर को स्वस्थ्य एवं सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग का सबक पूरी दुनिया को पढ़ाया जिसे आज शक्तिशाली संपन्न राष्ट्र भी अपना रहे है और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप मेंआज पूरी दुनिया मना रही है। प्रधानमंत्री के इस मंसूबे को और शसक्त बनाने के उद्देश्य से बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पुरे देश में योगाभ्यास किया गया इस क्रम मेंउत्तर प्रदेश के राजधानी लखनऊ समेत समस्त जनपदोंमेंजन प्रतिनिधियोंद्वारा योगाभ्यास कर इस मुहीम को सफल बनाया गया।

बाबू केडी सिंह स्टेडियम में एमएलसी नविन सहगल व मुख्यमंत्री के निजी सचिव समेत ने किया योगाभ्यास।

राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित बाबू के डी सिंह स्टेडियम में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बुधवार को भव्य रूप में मनाया गया। इस दौरान शिक्षक एमएलसी नविन सहगल एवं मुख्यमंत्री के निजी सचिव अवनीश अवस्थी समेत हजारो की संख्या में उपस्थित महिला पुरुष व बच्चो ने योग साधना की और विभिन्न मुद्राओ में योगाभ्यास किया।

सरोजनी नायडू पार्क में योगा करते सीओ तहसीलदार,लोग एवँ ग्रामीणो को योग सिखाती बीडीओ

खबर दृष्टिकोण

जालौन। कोंच जालौन– अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर नगर में कई सरकारी कार्यालयों स्कूलोंएवँ सार्वजनिक स्थलोंपर लोगो ने योगाकर स्वस्थ रहने के तरीके बताये। योग दिवस के मौके पर नगर प्रशासन की ओर से सरोजनी नायडू पार्क में योग क्रियाएं की गई इस मौके पर सीओ रामसिंह,तहसीलदार आलोक कटियार प्रभारी निरीक्षक नगेन्द्र पाठक चिकित्सक डॉ जितेंद्र वर्मा,ज्ञानचंद,डॉ दिनेश उदैनिया एसडीओ अनिरुद्ध मौर्य संजय सिंघाल सहित सेकड़े नगर बासियो ने योगा किया वही दर्पण संस्था,इप्टा एवँ फिल्म फेस्टिवल्स की चल रही कार्यशालाओ में योग प्रशिक्षक की उपस्थिति में प्रतिभागियों को योग क्रियाओं के माध्यम से निरोग रहने के तरीके बताए बड़ा मील परिषर में योग गुरु सुरेश चंद्र गुप्ता ने योग के माध्यम से लोगो को प्रशिक्षित करते हुए योग क्रियाएं शिखाई उधर ग्रामीण क्षेत्रो में भी योग दिवस बनाकर ग्रामीणो को नियमित रूप से योग करने की सलाह दी गई ग्राम चमरसेना में बीडीओ प्रतिभा शाल्या ने ग्रामीणो को योग करवाया नदीगांव ब्लाक परिषर में बीडीओ गौरव कुमार ने योग करवाया,विरासनी जखौली,पचीपुरा कला विरगुवा खुर्द सहित हर एक गाँव मे योग दिवस में मौके पर ग्रामीणो ने योग अभ्यास किया इस मौके पर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर का कॉलेज में विधायक मूलचन्द्र चन्द्र निरन्जन,पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता,बाबूराम पाल सहित कई लोगो मे योग किया इस मौके पर नायव तहसीलदार जितेंद्र सिंह,राहुल यादव,महेंद्र पटेल,पीडी रिछारिया, संजय सोनी,डॉ दिनेश उदैनिया सहित कई लोग मौजूद रहे।

योग दिवस के अवसर पर जीआरपी लाईन लखनऊ में योगशिविर कार्यक्रम का किया गया आयोजन, योग के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। दिनांक 21.06.2023 को पुलिस अधीक्षक रेलवे लखनऊ के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक रेलवे प्रथम संजीव कुमार सिन्हा व पुलिस उपाधीक्षक रेलवे द्वितीय हृषिकेश यादव के नेतृत्व में 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जीआरपी पुलिस लाइन लखनऊ अनुभाग लखनऊ में अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया इस अवसर पर समस्त कार्यालय के कर्मचारी व अधिकारीगण द्वारा विभिन्न प्रकार के योगासन कर योग का भरपूर लाभ उठाये तथा समाज में योग के प्रति लोगों को अपने स्तर से जागरूक करने का प्रयास किया।

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में किया योगाभ्यास

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में आयोजित योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कई योगासन किए। डॉ. राजेश्वर सिंह ने खराब लाइफस्टाइल के कारण बढ़ती बीमारियों के बारे में बताया और फिर योग को अपने जीवन में शामिल करने का आवाहन किया।कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि योग केवल एक आसन या व्यायाम नहीं है बल्कि जीवन का एक दर्शन है, योग स्वयं की, स्वयं के माध्यम से, स्वयं तक की यात्रा है। सर्वे भवन्तु सुखिनः के संकल्प के साथ योग हमारे ऋषियों द्वारा विश्व व मानवता को दिया गया सबसे अमूल्य उपहार है। योग शरीर को स्वस्थ रखता है, मन को नियंत्रित, अनुशासित और प्रसन्न रखता है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरोजनीनगर विधायक ने कहा कि निरोगी शरीर व एकाग्र मस्तिष्क के निर्माण के लिए योग अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, अतः हमें स्वयं के व्यक्तित्व, समाज और राष्ट्र निर्माण हेतु योग को नियमित दिनचर्या में सम्मिलित करना होगा। उन्होंने डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति राणा कृष्ण पाल एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी।

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जनपद रायबरेली में किया योगाभ्यास

प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जनपद रायबरेली के मोती लाल नेहरू स्टेडियम में योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों से भारत की पौराणिक एवं वैदिक पद्धति योग को एक अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिल पायी है। आज इसे पूरा विश्व एक महोत्सव के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हम सभी आभारी हैं, जिन्होंने भारतीय ऋषि परंपरा के उपहार योग को न केवल भारत में, बल्कि दुनिया में प्रतिष्ठित किया है। आज योग प्रत्येक घर में किया जा रहा है नियमित रूप से योग करने से व्यक्ति नीरोग रहता है और लम्बे समय तक स्वस्थ जीवन जीता है। उन्होंने इस अवसर पर लोगों से अपील की कि योग को सिर्फ एक विशेष दिन के लिए ही न किया जाय बल्कि योग को अपनी नियमित दिनचर्या में शामिल करें। आज की असंतुलित जीवनचर्या में योग ही मानव कल्याण और विश्व शांति का मार्ग है।

लखनऊ महापौर एवं नगर आयुक्त समेत नगर निगम अधिकारियो कर्मचारियों ने की योग साधना

भारत की ऋषि परंपरा का अनमोल उपहार योग का अभ्यास कर स्वस्थ शरीर के साथ स्वस्थ को भी मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के उद्देश्य से आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सम्पूर्ण विश्व में मनाया जा रहा है। सामान्य नागरिको को योग के लाभ के प्रति जागरुक करने एवं जीवन का अंग बनाये जाने हेतु आज अंतर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों और गांवों में योग के साथ–साथ स्वास्थ्य जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिसमें सरकारी, निजी संस्थान, स्कूल–कॉलेज, समाजसेवी संगठनों द्वारा सहभागिता की जा रही है इसी क्रम में नगर निगम लखनऊ के मुख्यालय स्थित त्रिलोकनाथ हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महापौर सुषमा खर्कवाल के समक्ष तथा नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह की उपस्थिति में म विधायक, पार्षद, समस्त अधिकारी कर्मचारीगण व अन्य व्यक्तियों द्वारा योगाभ्यास किया गया। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के योग गुरुओं शिव कुमार श्रीवास्तव, नीरू शर्मा, श निश्चल कोच्चर, डॉ. अक्षत चक के द्वारा नगर निगम मुख्यालय हॉल में उपस्थित 100 से अधिक व्यक्तियों को योगाभ्यास कराया गया।

पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने गाजियाबाद में किया योगाभ्यास

प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने जनपद गाजियाबाद में 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास किया। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने प्रदेशवासियों को 9वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुये कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर विश्व के अन्य देशों में योग दिवस मनाया जा रहा है। योग आज की दुनिया मे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। विश्व के प्रत्येक व्यक्ति के लिए योग बेहद जरूरी है। योग को जीवन की नियमित दिनचर्या में शामिल करें। योग प्राणायाम ने कोविड जैसी महामारी से लड़ने की हिम्मत दी।

कौशल विकास राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने जनपद मुज्जफरनगर में किया योगाभ्यास

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जनपद मुज्जफरनगर में किया योग अभ्यास। कपिल देव अग्रवाल ने प्रदेशवासियों को 9वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान वहीं नियमित रूप से योग अभ्यास करने से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते है।

बंथरा के भटगांव में ग्राम प्रतिनिधि ने ग्रामीणों को कराया योग

अंतर्राष्ट्रीय 9वें योग दिवस पर बुधवार सुबह लखनऊ के सरोजनी नगर के ग्राम सभा भटगांव में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पीनू रावत के ग्रामीणों ने योगाभ्यास किया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पीनू रावत ने बताया कि योगाभ्यास से दिन की शुरुआत करने से हर व्यक्ति निरोग रहेगा और परिवार भी सकुशल निरोग होगा इस मैकुलाल चौरसिया, अम्रत, सरोवार हसनखेडा भटगांव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जनपद आगरा में किया योगाभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डॉ० भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए०एस०आई०) के संयुक्त तत्वाधान में आगरा किला में योग शिविर का आयोजन किया गया । योग शिविर में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि आज विश्व के 125 देश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया । यह पीएम मोदी की देन है जो आज के दिन पूरा विश्व हमारा अनुसरण कर रहा है। भारत विश्वगुरू बनेगा। योग हमारी प्राचीन विधा है जो संपन्न परिवारों के ड्राइंगरूम में रह गई थी। अब यह दुनिया के पटल पर रोशन हो रही है। योग अब किताब से निकल कर जन–जन तक पहुंच गया है। हमने दुनिया को योग का संदेश दिया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्कूल, कॉलेज, स्मारक, सरकारी और निजी संस्थान के साथ ही अन्य जगहों पर लोगों ने योगा करके निरोग रहने का संदेश दिया।योगाभ्यास करने आई विभिन्न छात्राओं ने हमारे जीवन में योग के महत्व पर चर्चा की और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग की आवश्यकता पर बल दिया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशुरानी, कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, उप्र राज्य महिला आयोग सदस्य निर्मला दीक्षित भी उपस्थित रहे।

यह गीता प्रेस का ही नहीं, सनातन संस्कृति का भी सम्मान है

मृत्युंजय दीक्षित

गीता प्रेस के इस अत्यंत उदार व्यवहार के बाद भी कांग्रेस इसकी तुलना गोडसे को सम्मान मिलने से करके अपनी ओछी और विकृत मानसिकता का परिचय दे रही है। इस सन्दर्भ में कांग्रेस नेता जयराम रमेश का ट्वीट आने के बाद सोशल मीडिया पर कांग्रेस की खूब आलोचना हो रही है। जनमत कह रहा है कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। एक यूजर ने लिखा जब कभी भविष्य में भारत में कांग्रेस की वर्तमान राजनीतिक दुर्गति पर शोध ग्रंथ लिखे जायेंगे तब उसमें जयराम रमेश जैसे स्वनामधन्य नेताओं के योगदान पर पूरा चैप्टर होगा। मोर कैथोलिक देन द पोप शिरोमणि जो वैयक्तिक रूप से एक म्युनिसीपैलिटी का चुनाव जीतने की भी हैसियत नहीं रखते।

इन केवल भारत वरन संपूर्ण विश्व में सनातन हिंदू संस्कृति का साहित्य के माध्यम से प्रचार- प्रसार करने वाली संस्था गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार मिलना हिंदू सनातन संस्कृति व साहित्य के लिए गर्व और हिंदू समाज के लिए आनंद की अनुभूति का समय है। जरा सोचिए कि अगर गीता प्रेस न होता तो आज हिंदू सनातन संस्कृति व परम्परा का क्या हाल हो रहा होता? एक विदेशी डाक्टर ए.ओ. हयूम तथा अंग्रेज मैकाले की शिक्षा के कुप्रभाव को रोकने में अगर जिसने अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वह गीता प्रेस ही है। आज संपूर्ण विश्व में हिंदू सनातन संस्कृति की जो जयकार होती है उसमें गीता प्रेस की बड़ी भूमिका है। संभवतः यही कारण है कि आज कांग्रेस गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिये जाने की आलोचना कर रही है।

गीता प्रेस हिंदू धार्मिक ग्रंथों का विश्व का सबसे बड़ा प्रकाशक है। आज हर घर तक गीता, रामायण, महाभारत सहित चार वेद और 18 पुराण तथा गोस्वामी तुलसीदास रचित समस्त साहित्य को बेहद सस्ती दरों में पहुंचाने का श्रेय यदि किसी को जाता है तो वह गीता प्रेस है। गीता प्रेस को सम्मान मिलना संस्थापक जयदाल जी गोयन्दका व हनुमान प्रसाद पोद्दार जी जैसे महान संतों का भी सम्मान है। गीता प्रेस का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के सिद्धांतों, गीता,रामायण, उपनिषद, पुराण, संतों के प्रवचन और अन्य चरित्र निर्माण की पुस्तकों और पत्रिकाओं का प्रकाशन तथा अत्यंत सूक्ष्म मूल्य पर विपणन करके इनको आम जन के लिए सुलभ कराना है।- गीताप्रेस कार्यालय गोरखपुर में स्थित है जो भी लोग गोरखपुर भ्रमण के लिए जाते है वे गीताप्रेस अवश्य जाते हैं और सत साहित्य खरीद कर लाते हैं। गीता प्रेस की स्थापना 1923 में महान गीता मर्मज्ञ जयदयाल गोयन्दका के कर कमलों से हुई थी। यह संस्था भगवत्कृपा से सत साहित्य का उत्तरोत्तर प्रचार -प्रसार करते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर है। गीता प्रेस ने निःस्वार्थ भाव से सेवा कर्तव्य बोध दायित्व निर्वाह प्रभु निष्ठा प्राणिमात्र के कल्याण की भावना और आत्मोद्धार की जो सीख दी है वह सभी के लिए अनुकरणीय बना हुआ है।

गीता प्रेस मार्च 2014 तक 58 करोड़ 25 लाख से अधिक पुस्तकें प्रकाशित कर चुका था। यहां पर प्रतिदिन 50 हजार से अधिक पुस्तकें छपती हैं। यहां पर अब तक गीता की 11

करोड़ से अधिक प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। गीता प्रेस बच्चों के लिए प्रेरक सत साहित्य का भी प्रकाशन करता है। अब तक 12 करोड़ से भी अधिक भक्त चरित्र और भजन संबंधी पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। कई पुस्तकों के 80-80 संस्करण तक प्रकाशित हो चुके हैं। गीता प्रेस में गीता का मूल्य एक रुपये से प्रारम्भ होता है और इसी प्रकार हनुमान चालीसा, और सुंदरकांड जैसे ग्रंथ भी मात्र तीन रुपये में ही उपलब्ध हो जाते हैं। यहां की पुस्तकें लागत से 40 से 90 प्रतिशत कम मूल्य पर बेची जाती है। यह एक ऐसा प्रेस है जिसमें किसी जीवित व्यक्ति का चित्र या कोई विज्ञापन नहीं प्रकाशित होता है।

यहां कुल 15 भाषाओं हिंदी, संस्कृत,अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, मराठी,बंगला, उड़िया, असमिया, गुरुमुखी, नेपाली और उर्दू में पुस्तकें प्रकाशित होती है। इस प्रकार गीता प्रेस एक भारत श्रेष्ठ भारत का अनुकरणीय उदाहरण भी प्रस्तुत कर रहा है। गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार उसकी इस भावना को भी दिया गया सम्मान है। गीता प्रेस कल्याण नाम की एक पत्रिका प्रकाशित करता है जिसका एक विशेषांक हर वर्ष के प्रथम या द्वितीय माह तक उपलब्ध हो जाता है और विशेषांक लेने वाले प्रत्येक ग्राहक को यह पत्रिका पूरे वर्ष निशुल्क मिलती रहती है । कल्याण का हर विशेषांक संग्रहणीय होता है । कल्याण विश्व की एकमात्र ऐसी पत्रिका है जो बिना किसी विज्ञापन के अनवरत प्रकाशित हो रही है। कल्याण सनातनी हिंदू समाज की लोकप्रिय पत्रिका है। यह पत्रिका शान्ति और मानवता का संदेश देती है।

भारत के तथाकथित वामपंथी इतिहासकारों ने हिंदू देवी देवताओं व संत समाज की जो विकृत तस्वीर आम जनमानस के समक्ष प्रस्तुत की है गीताप्रेस का साहित्य उनके सभी षड्यंत्रों को विफल करता है। गीताप्रेस के संस्थापक जयदयाल जी गोयन्दका का कथन है कि मनुष्य को सदा सर्वत्र उत्तम से उत्तम कार्य करते रहना चाहिए। मन से भगवान का चिंतन, वाणी से भगवान के नाम का जप, शरीर से जगज्जनार्दन की निःस्वार्थ सेवा यही उत्तम से उत्तम कार्य है।

पुरस्कार पर विकृत राजनीति अच्छी बात नहीं। गीता प्रेस का इतिहास साक्षी है कि उसने अभी तक किसी प्रकार कोई भी सम्मान नहीं लिया है । पुरस्कार की घोषणा पर गीता प्रेस ने अपनी परम्पराओं का हवाला देते हए कहा है कि वह इस बार पुरस्कार तो ग्रहण करेगा लेकिन एक करोड़ की धनराशि स्वीकार नहीं करेगा। प्रेस की बोर्ड बैठक में तय हुआ है कि गांधी शान्ति पुरस्कार के रूप में धनराशि को छोड़कर व प्रशस्ति पत्र, पट्टिका और हस्तकला, हथकरघा की कलाकृति स्वीकार की जाएगी इससे भारत सरकार और गीता प्रेस दोनों का सम्मान होगा।

गीता प्रेस के इस अत्यंत उदार व्यवहार के बाद भी कांग्रेस इसकी तुलना गोडसे को सम्मान मिलने से करके अपनी ओछी और विकृत मानसिकता का परिचय दे रही है। इस सन्दर्भ में कांग्रेस नेता जयराम रमेश का ट्वीट आने के बाद सोशल मीडिया पर कांग्रेस की खूब आलोचना हो रही है। जनमत कह रहा है कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। एक यूजर ने लिखा जब कभी भविष्य में भारत में कांग्रेस की वर्तमान राजनीतिक दुर्गति पर शोध ग्रंथ लिखे जायेंगे तब उसमें जयराम रमेश जैसे स्वनामधन्य नेताओं के योगदान पर पूरा चैप्टर होगा। मोर कैथोलिक देन द पोप शिरोमणि जो वैयक्तिक रूप से एक म्युनिसीपैलिटी का चुनाव जीतने की भी हैसियत नहीं रखते।

मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले और नेहरू खानदान के प्रति वफादारी दिखाने वाले नेता सनातन हिंदू परम्पराओं व उसका विकास करने वाली संस्था को गांधी शांति पुरस्कार मिलने से नफरत से भर उठे हैं। संभवतः सनातन से बैर ही राहुल गांधी की मोहब्बत की मार्केटिंग है। सत्य तो यह है कांग्रेस स्वयं नफरत का बाजार चला रही है जिसका ताजा शिकार गीता प्रेस हुआ है । कांग्रेस ने सनातन हिंदू समाज का अपमान किया है अब वह अपने बचाव के लिए चाहे जो तर्क, वितर्क कुतर्क दे डाले उसका कुछ भला नहीं होने वाला है। कांग्रेस को नहीं पता कि गीता प्रेस आस्था का भी एक बहुत बड़ा केंद्र है। वहां काम करने वाला हर व्यक्ति विशुद्ध शाकाहारी होता है। यह कभी नहीं भुलाया जा सकता कि कांग्रेस सहित देश के सभी सेक्युलर दलों ने गीता प्रेस का गला घोटने के लिए तरह- तरह की पाबंदियां लगाई थीं, पूर्व केंद्रीय रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव ने अपने कार्यकाल में रेलवे स्टेशनों पर गीता प्रेस का साहित्य बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया था किंतु ईश्वर की अनुकम्पा से गीता प्रेस का काम अनवरत चल रहा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

रिश्तों में गर्मजोशी

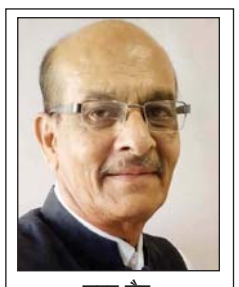

सनत जैन

वैसे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं, लेकिन इस बार उनकी यात्रा कई मायनों में खासी महत्वपूर्ण है। दुनिया में तेजी से बदलते कूटनीतिक समीकरणों के बीच यदि अमेरिका भारत को इतनी अहमियत दे रहा है तो जाहिर है जरूर उसके गहरे निहितार्थ हैं। कहा भी जाता है कि मूलतः कारोबारी राष्ट्र अमेरिका की नीतियां अमेरिकी हितों से शुरू होकर अमेरिकी हितों पर खत्म हो जाती हैं। इस यात्रा के मूल में जहां दोनों देशों के बीच होने वाले बड़े रक्षा व अन्य समझौते हैं, वहीं हिंद-प्रशांत क्षेत्र समेत दुनिया के तमाम देशों में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर नकेल लगाना भी है। इसी वजह से यह यात्रा खास हो जाती है। पहली बार नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति जो बाइडन के बुलावे पर अमेरिका जा रहे हैं और उनकी यात्रा को स्टेट विजिट का दर्जा प्रदान किया गया है। यह सम्मान स्वतंत्र भारत में अब तक दो ही प्रधानमंत्रियों को मिल सका है। अमेरिका केवल उन्हीं देशों को यह सम्मान देता है जिनके साथ उसे कूटनीतिक हित नजर आते हैं। कुल मिलाकर दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय रिश्तों में एक नये युग की शुरुआत हो रही है। मंगलवार को शुरू हुई प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर कहा जा रहा है कि इससे दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। आर्थिक पंडित मान रहे हैं कि भारत से बड़े आर्थिक समझौतों से खस्ता हाल दौर से गुजर रही अमेरिकी अर्थव्यवस्था को प्राणवायु मिलेगी।

उम्मीद है यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच फाइटर जेट इंजन व ड्रोन खरीद समझौते को मूर्त रूप मिलेगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि फाइटर जेट इंजन भारत में बनाने का समझौता होने की बात है। कहीं न कहीं भारत की कोशिश है कि रूसी सैन्य सामान पर निर्भरता कम की जाये। खासकर उन लड़ाकू प्रशिक्षण विमानों का विकल्प तलाशने की कोशिश है, जो आये दिन दुर्घटना का शिकार होकर जनधन की हानि पहुंचा रहे हैं। दरअसल, दुनिया में नंबर वन की शक्ति बनने को आतुर चीन आज अमेरिका हेतु वास्तविक चुनौती बन गया है। उसके रूस से गहरे होते रिश्ते व मध्यपूर्व व अफ्रीकी देशों में उसकी बढ़ती कूटनीतिक दखल ने अमेरिका के सुपरपावर रुतबे को चुनौती दी है। ऐसे में चीन की जड़ पर स्थित भारत के अलावा कोई अन्य बड़ा देश अमेरिकी कूटनीतिक हितों के करीब नहीं हो सकता। तभी भारत को चीन के खिलाफ बने अमेरिका, जापान व आस्ट्रेलिया के गठबंधन वाले संगठन क्वाड में तरजीह दी गई। वहीं दूसरे सामरिक गठबंधन आई2यू2 में भी भारत की भूमिका तय हुई है। दरअसल, अमेरिका समेत ये देश चीन की आक्रमकता को लेकर चिंतित हैं। समुद्र में चीन के लगातार बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिये अमेरिका अब प्रशांत सागर को हिंद प्रशांत कहकर संबोधित करता है। ताकि इस क्षेत्र की बड़ी शक्तियां मिलकर चीन से मिल रही चुनौती का सामना कर सकें। वहीं दोनों देश चीन के आर्थिक साम्राज्य को चुनौती देने के लिये उस पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रहे हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि जहां अमेरिका विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र हैं, वहीं भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत की श्रमशक्ति अमेरिका के लिये भी खासी मददगार हो सकती है। उदार लोकतांत्रिक मूल्यों दोनों देशों के आपसी संबंधों को सींचते हैं। यही वजह है कि यूक्रेन युद्ध में भारत की स्वतंत्र भूमिका को लेकर असहज अमेरिका ने कुछ बातों को नजरअंदाज करते हुए दोनों देशों के संबंधों को परवान चढ़ाया है। दरअसल, अमेरिका दबाव के बावजूद भारत ने अपने पुराने मित्र रूस की निंदा नहीं की थी। एक तरह से अमेरिका ने भारत की संप्रभुता का सम्मान ही किया है। कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की यह सम्मानजक अमेरिका यात्रा विश्व कूटनीतिक परिदृश्य में भारत की ताकत को बढ़ाने वाली ही है। महत्वपूर्ण यह भी कि मोदी अमेरिका की संसद को संबोधित करेंगे और स्वयं राष्ट्रपति जो बाइडन उनकी मेजबानी करेंगे। साथ ही मोदी आज न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की शुरुआत भी करेंगे।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

फिल्म आदिपुरुष और रामानंद सागर की रामायण चचाओं में

भारत में सबसे पहले रामानंद सागर के निर्देशन में रामायण के एपिसोड का प्रसारण दूरदर्शन से किया गया था। 25 जनवरी 1987 से 21 जुलाई 1988 तक दूरदर्शन में सुबह 9:30 बजे रामायण सीरियल आता था। इस सीरियल को देखने के लिए भारतवर्ष में सन्नाटा छा जाता था। लोग टीवी के सामने बैठ जाते थे। जिनके घरों में टीवी नहीं था। आसपास के घरों में जाकर टीवी देखा करते थे। 1987 में राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री थे। दूरदर्शन भी सरकारी मीडिया था। सरकार ने इस सीरियल के प्रसारण की अनुमति दी थी। रामानंद सागर के निर्देशन में इस सीरियल का निर्माण हुआ था। इस सीरियल के लिए शब्दों का चयन रजा साहब ने किया था। जो मुस्लिम धर्म के अनुयाई थे। उन्होंने जिन शब्दों का चयन सीरियल के लिए किया, वह उसकी प्रमाणिकता जानने के लिए नरेंद्र शर्मा से लगातार चर्चा करते थे। भारत के इतिहास में रामायण के 78 एपिसोड प्रसारित किए गए, यह इतना लोकप्रिय सीरियल था। इसे देखने के लिये सड़कों पर सन्नाटा छा जाता था। रामानंद सागर द्वारा निर्देशित इस रामायण के पात्रों का चयन और उनके संवाद को लेकर जो सतर्कता बरती गई थी। सीरियल में धार्मिक भावनाएं और धार्मिक आस्थाओं का ऐसा समावेश था, सभी जाति समुदाय के लोगों ने रामायण सीरियल को देखकर राम के बारे में जाना। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई सहित सभी धर्मों के लोगों के मन में मयार्दा पुरुषोत्तम राम की प्रति जो आस्था बनी, वह आज भी अकल्पनीय है।

भगवान राम, बजरंगबली अब हिंदू आस्था में भारतीय जनता पार्टी, संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल इत्यादि आस्था के प्रतीक हैं। हिंदू धर्म को सबसे ज्यादा आस्थावन लोगों द्वारा आदिपुरुष फिल्म का निर्माण किया। भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों ने इस फिल्म के निमार्ण में सहयोग दिया। आदिपुरुष के गीतकार और लेखक मनोज मुंतशिर (शुक्ला) जन्म से ब्राह्मण हैं। राम और बजरंगबली के प्रति उनकी आस्थायें अटूट हो सकती हैं। यह माना जा रहा था, कि आदि पुरुष फिल्म से भारतीय जनता पार्टी को 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव को जीतने के लिए, हिंदू आस्थाओं को जगाने में यह फिल्म बड़ी भूमिका अदा करेगी। भारतीय जनता पार्टी इस फिल्म के सहारे 2024 के लोकसभा चुनाव को जीतने का मंसूबा बना रही थी। इसके निर्माण और प्रसारण के लिए भाजपा और संघ के अनुवांशिक संगठनों के साथ-साथ केंद्र सरकार और कई राज्य सरकारें भी, इस फिल्म के प्रमोशन में सहयोग कर रही थी।

आदिपुरुष फिल्म का प्रदर्शन बड़े जोर शोर से किया गया। बड़े पैमाने पर फिल्म का प्रचार-प्रसार हुआ। भाजपा संघ के नेताओं के साथ-साथ मुख्यमंत्रियों ने भी इस फिल्म के प्रमोशन में खुलकर भागीदारी की। पर्दे पर फिल्म प्रदर्शन के बाद अब सभी हिंदू संगठन और भाजपा इससे बचती हुई नजर आ रही हैं। फिल्म का निर्माण, उसके संवाद, उसके पात्रों को काल्पनिक ढंग से जिस तरह से राम, रावण और बजरंगबली के रूप में प्रस्तुत किया गया है। उसकी सारे देश में घोर निंदा हो रही है। रामानंद सागर की रामायण सीरियल के संवाद और प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ रामायण के साथ उसकी प्रमाणिकता ने समाज के सभी वर्गों को प्रभावित किया था। वर्तमान में आदि पुरुष फिल्म के निर्माण में जिस तरह की फूहड़ता और काल्पनिक ढंग से मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम, सीता मैया, बजरंगबली और रावण के चरित्र को दशार्या गया है। उसकी हर जगह निंदा हो रही है। नेपाल ने भारतीय फिल्मों के दिखाए जाने पर रोक लगा दी गई है। करणी सेना, राष्ट्रीय हिंदू सेना एवं भाजपा के विधायक और मंत्री भी इस फिल्म को लेकर अपनी नाराजगी जता रहे हैं। आदिपुरुष के निमार्ता निर्देशक लेखक मनोज मुंतशिर शुक्ला भी डायलॉग को सुधारने की बात कर रहे हैं। लेकिन फिल्म प्रदर्शन के बाद जो तीव्र प्रतिक्रिया आम जनता के बीच में देखने को मिल रही है। उसमें यह कहा जा सकता है, कि फिल्म ने करोड़ों रुपए की कमाई भले कर ली हो। इस फिल्म के प्रसारण से हिंदुत्व के मुद्दे पर सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय जनता पार्टी और संघ के अनुवांशिक संगठनों को हुआ है। हिंदुत्व को लेकर जो ठेकेदारी, भारतीय जनता पार्टी ने अभी तक ले रखी थी। उसमें आम जनता के मन में अब वह आस्था और विश्वास नहीं रहा, जो पिछले वर्षों में भारतीय जनता पार्टी ने बनाने की कोशिश की थी। अब तो लोग रामानंद सागर की रामायण और आदिपुरुष फिल्म की तुलना कर रहे हैं। 1987 में दूरदर्शन से कांग्रेस की सत्ता थी। कांग्रेस ने रामायण सीरियल के प्रसारण की अनुमति दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने राम मंदिर का ताला खुलवाया था। आम लोगों के बीच में चर्चा होने लगी है, कि भगवान राम और बजरंगबली के प्रति जो आस्था कांग्रेस की थी। भाजपा तो उनके नाम पर पाखंड फैला रही है। राम और बजरंगबली का नाम लेकर सत्ता में काबिज होने के लिए हिंदुत्व का ढोंग कर रही है। आदिपुरुष फिल्म के प्रदर्शन से सबसे ज्यादा नुकसान यदि किसी को होता हुआ दिख रहा है, तो वह भारतीय जनता पार्टी और संघ है। सत्ता का मद और अहंकार सिर चढ़कर बोलता है। संघ और भाजपा नेताओं में यह दिखने भी लगा है। आदि पुरुष फिल्म को लेकर जिस तरह से भाजपा और संघ ने चुप्पी साध रखी है। वह एक तरह से आग में घी डालने का काम कर रही है। इस फिल्म के कारण भाजपा की हिन्दुत्व की छबि को बड़ा नुकसान होता हुआ दिख रहा है।

लोकतंत्र पर हावी अपराधी,कैसे थमे अपराध ?

डॉ. भरत मिश्र प्राची

देश में जब - जब भी चुनाव होते रहे है, सभी राजनीतिक दलों की नजर ऐन केन प्रकारेण सत्ता हथियाने की रही है। इस प्रक्रिया में प्रत्याशियों के चयन, चंदे देने वालों एवं चुनाव में मदद करने वालों के आचरण से किसी भी राजनीतिक दल को कोई लेना देना नहीं है। सबका एक हीं लक्ष्य होता है , अधिक से अधिक सीट पाकर सत्ता पर कब्जा करना। जिसके कारण लोकतंत्र में आपराधिक प्रवृत्ति से जुड़े लोगों का स्वयं जनप्रतिनिधि बनने से लेकरं जनप्रतिधि बनाने में अर्थ एवं बाहुबल सहयोग देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की पृष्ठिभूमि अग्रसर होती जा रही है। जिससे लोकतंत्र में अपराधियों का बोलबाला दिन पर दिन बढ़ता हीं जा रहा है। फिर इस तरह के परिवेश में अपराध कैसे थमे, विचारणीय पहलू है।

भारतीय राजनीति में धन व अपराध की भूमिका कम होने की बजाय बढ़ती ही जा रही है। सांसदों की बढ़ती अमीरी उन्हें जनता से दूर ले जा रही है एवं आपराधिक पृष्ठिभूमि के आरोपित सांसदों के चलते

अपराध में चार चांद लगते जा रहे है। इस तरह के परिवेश को समझने के लिये गत लोकसभा चुनाव के राजनीतिक परिदृश्य पर एक नजर डाले जहां आकड़े के मुताबिक आपराधिक पृष्ठिभूमि वाले सांसदों की संख्या वर्ष 2004 में 128, वर्ष 2009 में 162, वर्ष 2014 में 185 एवं 2019 में बढ़कर 233 हो गई। वर्ष 2024 में निश्चित तौर पर इस संख्या में और वृद्धि होना स्वाभाविक है। इसी तरह के आकड़े देश में विभिन्न राज्यों के विधान सभा में भी देखे जा सकते। जिसके कारण देश में अपराध तो निरंतर बढ़ते हीं जा रहे है, लोकसभा एवं विधानसभा की गरिमा इनके कुत्सित आचरण के चलते दिन पर दिन गिरती ही जा रही है। जहां आये दिन मेज, माईक तोड़ने, गाली - गलौज देने, हाथा - पाई से लेकर कपड़े फाड़ के परिदृश्य उजागर होते ही रहते है। आपराधिक पृष्ठिभूमि से जुड़े जनप्रतिनिधियों की यह वृद्धि इसी तरह निरंतर जारी रही तो आने वाले समय में लोकतंत्र पर पूर्णरूपेण अपराधी हावी नजर आयेंगे फिर लोकतंत्र का क्या स्वरूप उजागर हो सकेगा, सहज अनुमान लगाया जा सकता ।

इस तरह के उभरते परिवेश के लिये देश का जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम भी पूर्णरूपेण जिम्मेवार है जो इस दिशा में जिनपर केवल मुकदमा चल रहा है, चाहे कितना ही गंभीर अपराध से जुड़ा मामला हो , सजा नहीं मिलने तक चुनाव लड़ने की इजाजत देता है। इस मामले में ऐसे भी जनप्रतिनिधि जो अपराध के मामलें में जेल में बंद है, चुनाव में भाग लेते ही नहीं देखे जाते, विजयी भी घोषित कर दिये जाते। जब तक इस अधिनियम में अपराध से जुड़े लोगों को जनप्रतिधि बनने की प्रक्रिया से रोकने का प्रावधान नहीं होगा तब तक लोकतंत्र में अपराधियों का आना नहीं थमेगा। जनप्रतिनिधि अधिनियम में भी बदलाव जनप्रतिनिधियों के सहयोग से हीं संभव है। आ बैल मुझे मार, जहां लोकसभा में आपराधिक मामलों से आरोपित जनप्रतिधियों का वर्चस्व हावी है, जनप्रतिनिधि अधिनियम में संशोधन संभव नहीं। फिर इस तरह के महौल में बदलाव हेतु चुनाव आयोग एवं देश के सर्वोच्य न्यायालय को ही कोई रास्ता निकालना होगा जिससे लोकतंत्र में अपराधियों का प्रवेश थमे तभी देश को अपराध मुक्त कराया जा सकेगा। जब तक लोकतंत्र पर अपराधी हावी रहेंगे, देश में अपराध होते हीं रहेंगे। अपराध को नियंत्रित करने वाले तंत्र पर विधायिका का नियंत्रण है। देश की विधायिका पर अपराधियों का जबतक बोलबाला रहेगा, देश में अपराध थमने का नाम नहीं लेगा। इस तथ्य को देश हित में समझना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला कल अपराध मुक्त लोकतंत्र को उजागर कर सके।

(स्वतंत्र पत्रकार)

पतंजलि योग समिति गंगागंज लखनऊ ने मा.मंत्री जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की उपस्थिति में कराया भव्य योग कार्यक्रम

खबर दृष्टिकोण संवाददाता सुनील मणि नगराम लखनऊ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हर वर्ष की तरह पतंजलि योग समिति गंगागंज द्वारा भव्य योगाभ्यास का कार्यक्रम मिनी स्टेडियम गंगागंज लखनऊ में कराया गया। सर्वप्रथम माननीय मंत्री जल शक्ति श्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे, मोहनलालगंज क्षेत्र के विधायक अमरेश रावत, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, गोसाईगंज ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा, गोसाईगंज नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल मिश्र का स्वागत पतंजलि योग समिति गंगागंज की ओर से नागेश वर्मा द्वारा बुके देकर किया गया।कार्यक्रम का संचालन भारत स्वाभिमान ट्रस्ट लखनऊ के अध्यक्ष पीयूष कांत द्वारा किया गया। उपस्थित योग साधकों को सर्वप्रथम योग क्या है बताया गया तथा योग क्यों आवश्यक है इसके बारे में जानकारी दी गई। पीयूष कांत जी ने मंत्रोच्चारण से सबका मन मोह लिया और पादहस्तासन ताड़ासन वृक्षासन त्रिकोणासन अर्धमंडूकासन अनुलोम विलोम कपालभाति भ्रामरी प्राणायाम तथा ध्यान का अभ्यास प्रत्येक स्टेप को समझाते हुए काफी सरल तरीके से कराये।कार्यक्रम में लगभग 4000 योग साधक तथा जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज बहरौली, सीपीएल इंटर कॉलेज हरदोईया, पंचशील इंटर कॉलेज अनैया, शारदा इंस्टीट्यूट गोसाईगंज, बैजनाथ शिव कला बालिका महाविद्यालय मंगलपुर बाराबंकी, कार्यक्रम में गुरुकुल के बच्चों ने भी प्रतिभाग किया।

छात्र–छात्राएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

पतंजलि योग समिति गंगागंज लखनऊ की ओर से सभी पुरुष साधकों को टी शर्ट का वितरण तथा महिला साधकों को चुनरी दुपट्टा का वितरण किया

गया।कार्यक्रम के समापन पर आए हुए सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य क्षेत्र के गणमान्य लोगों तथा ग्राम प्रधानों और एसडीएम मोहनलालगंज हनुमान प्रसाद मौर्य, खंड शिक्षा अधिकारी गोसाईगंज रामराज आदि सभी को पतंजलि योग समिति की ओर से नागेश वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। संचालक पीयूष कांत जी ने पतंजलि योग समिति गंगागंज की आयोजन समिति के अध्यक्ष नागेश वर्मा, रवींद्र वर्मा, अनिल कुमार वर्मा, रामफेर वर्मा, राम कुमार पांडे, मनोज वर्मा,राजेश पटेल, रवि वर्मा,श्रीकांत वर्मा, संजय अवस्थी आदि तथा भाजपा के जिला महामंत्री राजकुमार वर्मा एवं एडवोकेट प्रवीण कुमार सिंह को सराहनीय योगदान प्रदान करने के लिए साधुवाद दिया। इस अवसर पर सलेमपुर गंगागंज के ग्राम प्रधान नंदकिशोर यादव जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज बहरौली के प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा, सीपीएल इंटर कॉलेज हरदोईया के प्रधानाचार्य वीरेंद्र वर्मा, पंचशील इंटर कॉलेज के प्रबंधक ज्ञानी मिश्रा, शारदा इंस्टीट्यूट के हेड डीन विवेक मिश्रा, बैजनाथ शिवकला महिला महाविद्यालय मंगलपुर बाराबंकी के प्रबंधक अखिलेश वर्मा तथा संस्थाओं के शिक्षक और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

नागरिक एकता पार्टी का कांग्रेस में विलय, प्रदेश अध्यक्ष बोले- कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र को जीवित

लखनऊ। नागरिक एकता पार्टी का कांग्रेस में विलय हो गया। पार्टी के पदाधिकारियों सहित करीब ढाई सौ से अधिक लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ली। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने पार्टी की सदस्यता लेने वालों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र को जीवित रखा। भाजपा की साजिशों का मुकाबला करने की कुबत कांग्रेस में ही है। नागरिक एकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शमीम खान, रिजवान अहमद, मोहम्मद नइम अंसारी, उमर खान आदि ने पार्टी का कांग्रेस में विलय करते हुए कहा कि पिछड़े, अनूसूचित जाति एवं अल्पसंख्यक समाज के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। इस दौरान प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे, प्रदेश महासचिव प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह, रिजवान अहमद आदि मौजूद रहे।

खबर एक नजर में

9वें अंराष्ट्रीय योग दिवस पर रोडवेज कर्मचारी यूनियन के नेता रूपेश कुमार ने लोगों को योग के लिए किया प्रेरित

यूपी रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेश कुमार ने 9वें अंराष्ट्रीय योग दिवस पर योगासन करते हुए अन्य लोगों को योगा करने के लिए प्रेरित किया।रूपेश कुमार ने अपने साथ अन्य लोगों को विभिन्न प्रकार के योग आसान, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, पादआसन आदि का अभ्यास कराया। इस अवसर पर रूपेश कुमार ने कहा कि योग, आहार, आचार–विचार के माध्यम से हम सभी अपने जीवन में काम, क्रोध, लोभ, मोह पर काबू पा सकते हैं। उन्होंने सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम सभी योग के माध्यम से प्रकृति को अपने करीब अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने सबसे अपील की कि स्वस्थ तन–मन प्राप्त करने के लिए योग को अपनी नियमित दिनचर्या में शामिल करें।

गाड़ी टच हो जाने पर पड़ोसी दबंग ने फर्नीचर व्यापारी पर कुल्हाड़ी से किया हमला

आलमबाग खबर दृष्टिकोण।आशियाना थाना क्षेत्र के ख्वाजापुर औरंगाबाद मोहल्ले में रहने वाले फर्नीचर व्यापारी को मामूली सी बात पर पड़ोसी दबंगों ने पीट पीटकर लहूलुहान कर दिया और कुल्हाड़ी से हमला करने का भी प्रयास किया। हालांकि कुल्हाड़ी के हमले से कारोबारी बाल बाल बच गया। कारोबारी की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने मंगलवार को मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।ख्वाजापुर औरंगाबाद में रहने वाले सूरज प्रजापति अपनी पत्नी सुनैना और दो बच्चों के साथ रहते हैं। सूरज ने बताया कि उनका फर्नीचर का व्यापार है। सूरज का आरोप है कि बीते रविवार शाम जब वह अपनी कार घर से बाहर निकाल रहे थे तो पड़ोसी कल्लू की बाइक कार से टकराकर गिर गयी। इतने में ही कल्लू की पत्नी गाली गलौज करने लगी लेकिन सूरज अनदेखा करते हुए वहां से चले गये। आरोप है कि जब रात 10 बजे के लगभग वह अपनी कार से वापस लौटे तो देखा कि पड़ोसी कल्लू, उसके दोनो बेटे राजा, अर्जुन, पत्नी व चार भांजे सोनू, रवी, राहुल और देशराज पहले से घात लगाये बाहर ही बैठे थे। सभी ने अपने अपने हाथों में डंडे ले रखे थे। जैसे ही सूरज कार से उतरे तो दबंगो ने उन हमला बोल दिया, वहीं सूरज की पत्नी सुनैना ने घटना का वीडियो बनाना चाहा तो दबंगों ने मोबाइल छीन लिया और उसे भी बाल पकड़कर घसीटने लगे। इसी बीच दबंगो ने कुल्हाड़ी से सूरज पर प्रहार किया लेकिन मोहल्ले वाले दौड़े तो बड़ी घटना होते होते बच गयी। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची आशियाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सूरज की पत्नी सुनैना की तहरीर पर मंगलवार शाम गंभीर धाराओं में सभी दबंगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नगराम पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण संवाददाता सुनील मणि नगराम,

नगराम थाना क्षेत्र के चंदी खेड़ा मजरा समेसी निवासी पुनवासी पुत्र बाबादीन एनबीडब्ल्यू वारंटी था पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली और उसे सही समय पर गिरफ्तार कर लिया गया। पुनवासी पुत्र बाबादीन उम्र करीब 58 वर्ष निवासी चंदी खेड़ा मजरा समेसी थाना नगराम मुकदमे में गैरहाजिर था ।और कोर्ट में एनबीडब्ल्यू वारंट होने पर पुलिस तलाश कर रही थी । गिरफ्तारी टीम में थाना प्रभारी हेमंत कुमार राघव, एसआई श्याम बाबू सिंह हेड कांस्टेबल राकेश कुमार मिश्रा ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

भारत ने पूरी दुनिया को योग के माध्यम से स्वस्थ रहने का रास्ता दिखाया

लखनऊ खबर दृष्टिकोण।केंद्र में मोदी सरकार के 09 साल पूरे होने के अवसर पर 30 जून तक चलने वाले महाजनसंपर्क अभियान ष्सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 09 वर्षष् कार्यक्रम में बुधवार को उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य ने महराजगंज के कोल्हुई बाजार स्थित आदर्श इंटर कॉलेज में जनसभा को संबोधित किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के ये 09 वर्ष विकास, गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं के जीवन में खुशहाली लाने के लिए समर्पित रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए 50 करोड़ से अधिक जनधन खातों को खोलवाया। कहा कि माoप्रधानमंत्री ने अलग–अलग योजनाओं के माध्यम से 30 लाख करोड़ रुपये गरीबों और आमजन के खातों में भेजा है। इसी का नतीजा है कि किसानों के खातों में सीधे बिना कमीशन के आज ध्6000 प्रति वर्ष पहुंच रहे हैं। गरीबों को प्रधानमंत्री आवास मिला है, शौचालय मिला है। गरीबों को 5 लाख का

फ्री इलाज हेतु आयुष्मान कार्ड मिला है और जिनके घरों में बिजली व गैस कनेक्शन नहीं था, उनको बिजली और गैस कनेक्शन मिला है।उन्होंने केंद्र सरकार के कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश में 220 करोड़ कोरोना टीका देशवासियों को लगवाया गया। और 95 से अधिक देशों को यह टीका भारत ने भेजने का काम किया। अनुच्छेद 370 को हटाया राम मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है और समान नागरिक संहिता के लिए भी कार्य शुरू हो चुका है। ऐसा मोदी जी के कुशल नेतृत्व में संभव हुआ।उन्होंने प्रदेश में सड़कों के निर्माण, औद्योगिक निवेश की चर्चा करते हुए कहा की सरकार में भूमाफियाओं से सरकारी जमीनों को मुक्त कराया जा रहा है। सड़कों को अतिक्रमणमुक्त किया जा रहा है और गाँव–गाँव मे चौपाल लगाकर गाँव की समस्या का समाधान, गांव में जाकर किया जा रहा है।सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार अभियान चल रहा है और इसी कारण 2000 का नोट बंद किया जा रहा है, जिससे सारे भ्रष्टाचारी परेशान है। लेकिन भ्रष्टाचार के विरुद्ध ऐसी कार्यवाहियां और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध छापे आप आगे भी देखते रहेंगे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की चर्चा करते हुए कहा कि योग, भारतीय मनीषा का विश्व मानवता को प्रदान किया गया अमूल्य उपहार है, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी दुनिया को परिचित कराया है। प्रारम्भ से ही योग हमारी सनातन परम्परा का अभिन्न अंग रहा है। योग से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य योग के स्वाभाविक परिणाम हैं। योग स्वास्थ्य, सुख, शांति, समन्वय तथा कल्याण का माध्यम है। कहा कि भारत ने पूरी दुनिया को योग के माध्यम से स्वस्थ रहने का रास्ता दिखाया।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री द्वारा राखी गौड़, भुवरा, गोविंद, नंदू को प्रधानमंत्री आवास योजना– ग्रामीण के तहत मिले आवास और मीता को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मिले आवास की चाभी भेंट की गयी। इसके अलावा गीता और कुसुमावती को प्रधानमंत्री आवास का स्वीकृति पत्र सौंपा गया। उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत टीएचआर प्लांट चलाने वाले तीन समूहों को डेमो चेक भी दिया गया।

आमने सामने दो कारो की भिड़ंत में दो युवको की मौत

एक युवक की हालत गंभीर ट्रामा में भर्ती कर चल रहा है इलाज

कैंट थाना क्षेत्र का भीषण हादसा

लखनऊ खबर दृष्टिकोण। कैंट थाना क्षेत्र के मरी माता मंदिर निकट बुधवार तड़के दो कारो का आपस में भिड़ंत हो गया। भिड़ंत इतना जोरदार था कि कार में सवार चालक समेत सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। सुचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल भेजा जहाँ डॉक्टरों ने दो युवको को मृत घोषित कर दिया एवं तीसरे की गंभीर हालत में ट्रामा रेफर कर दिया गया है। जहाँ घायल का भर्ती कर इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतकों का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कैंट थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के मरी माता मंदिर निकट अर्धरात्रि करीब 2रू00 बजे चार पहिया वाहन हुण्डई कार संख्या यूपी 32 एलजेड 3577 व स्कोडा गाड़ी संख्या यूपी 78 ईजे 6565 में आपस में टक्कर होने से हुंडई गाड़ी में सवार अश्वनी कुमार दुबे (35) व सभानरायण दुबे निवासी ग्राम चौवरिया थाना महोली जनपद सन्तकबीर नगर हालपता गोमती नगर विस्तार, एवं प्रेम प्रकाश उपाध्याय (32) पुत्र भवानी प्रसाद उपाध्याय निवासी मकान संख्या 291ध्क्यू बेतिया हाता दक्षिणी रामगढ़ जनपद गोरखपुर व अमृत श्रीवास्तव (30) पुत्र प्रेम प्रकाश निवासी थाना महोली जनपद सन्तकबीरनगर को घायल अवस्था में सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां पर डाक्टरों ने अश्वनी कुमार दुबे व प्रेम प्रकाश उपाध्याय को मृत घोषित दिया।अमृत श्रीवास्तव को इलाज के लिए केजीएमयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है जहां पर उसका इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बाराबंकी के जीआईसी अशडिटोरियम में जनप्रतिनिधियों ने योग दिवस पर भव्य कार्यक्रम का किया आयोजन

बाराबंकी खबर दृष्टिकोण। नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस "हर घर योग" के अवसर पर जीआईसी ऑडिटोरियम में मंत्री जितिन प्रसाद, जिला पंचायत अध्यक्षा राजरानी रावत , सांसद उपेंद्र सिंह रावत , प्रदेश महामंत्री बीजेपी प्रियंका सिंह रावत, जिलाधिकारी अविनाश कुमार व मुख्य विकास अधिकारी एकता सिंह ने जनपदवासियों के साथ योगाभ्यास किया।

नवम् अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर मंत्री ने आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए उपस्थित जनसमूह एवं जनपदवासियों को योग दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि करें योग रहें निरोग। योग करने से हम स्वस्थ रहते है और पहला सुख निरोगी काया है, हमें नियमित रूप से योग करना चाहिए। योग एक साधना है और योग करने वाला व्यक्ति हमेशा निरोगी रहेगा। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम ही नहीं है बल्कि तन और मन से स्वस्थ्य रहने की जीवन शैली है। उन्होने कहा कि योग अच्छी काया के लिये है, योग से व्यक्ति का मन शांत हो जाता है और तनाव कम हो जाता है व शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। योग लोगों के जीवन को और भी अधिक गतिमान बनाता है, क्योंकि योग शारीरिक रुप से ही नहीं अपितु मानसिक रुप से भी ऊर्जावान बनाता है। उन्होंने कहा कि योग के क्षेत्र में दुनिया के सभी देश भारत का अनुश्रवण कर रहे है।मंच पर उपस्थित जनप्रतिनिधिगणों सहित समस्त गणमान्य व्यक्तियों एवं अधिकारियों का स्वागत बुके भेट कर किया गया। शिविर में उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से योग के आसन किये। । कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता आशीष पाठक द्वारा किया गया। योग प्रशिक्षक ने योगासन के विभिन्न मुद्राओं को करके दिखाया तथा उपस्थित जनसामान्य को उनके लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी भी दी। कार्यक्रम के अंत में उन्होनें योग के संबंध में संकल्प दिलाया। योग शिविर मे महात्रऋषि विद्या मंदिर विद्यालय की छात्रा नन्दिका वर्मा ने अपनी योग कलाओं का प्रदर्शन किया, जिसकी सभी ने खूब सराहना की।

पंचायत परिसर में मनाया गया योगा दिवस

खबर दृष्टिकोण बाराबंकी। त्रिवेदीगंज बाराबंकी ब्लॉक हरक अंतर्गत अजपुरा प्रधान रामफेर के नेतृत्व में पंचायत परिसर में योगा दिवस ग्रामीणों के साथ मनाया गया स्थित प्राइमरी स्कूल परिसर में आर एस एस के पदाधिकारियों द्वारा गत दिवस योगा दिवस ग्रामीणों के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा योगाभ्यास कपालभाति मंडूकासन शीर्षासन आदि आसनों के संबंध में पदाधिकारियों द्वारा विस्तृत रूप से पाना डा रा प्रधान रामकिशोरजानकारी दी गई और योगाभ्यास करने के निर्देश अनवरत दिए गए इसी क्रम में चेयरमैन नीलोफर द्वारा अपने प्रतिष्ठान पर साथियों के साथ योगाभ्यास किया इस अवसर पर जैतपुर चेयरमैन ने कहा कि योगाभ्यास हमारे जिंदगी की प्रथम औषध है प्रत्येक परिवार में योगाभ्यास होना बहुत ही आवश्यक है आज के दौर में खाने पीने की स्वैया जर्जर होने के चलते योगाभ्यास पूरी तरह से हमारी मदद कर रहा है इस अवसर पर क्षेत्र के समाजसेवी मोहम्मद कलीम मोहम्मद अजीज आदि लोग उपस्थित रहे

2800 करोड़ की गंगाजल परियोजना को कराया पूर्ण, गंगाजल वितरण प्रबंधतंत्र हेतु 183 करोड़ से ओवर हैड टैंक,सीडब्लूआर निर्माण,264 करोड़ की लाइन बिछाने का हुआ कार्य

2012 से 2021 तक 700 सबमर्सिबल,हैंडपंप,रीबोर के कराए गए कार्य

लखनऊ खबर दृष्टिकोण। केन्द्र सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा,समर्पण और गरीब कल्याण केंद्रित कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एवं आगरा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक योगेन्द्र उपाध्याय ने सर्किट हाउस,आगरा में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। पत्रकार वार्ता में मंत्री ने बताया कि आगरा दक्षिण से मुझे पहली बार 2012 में 27 हजार मतों,2017 में 57 हजार मतों से तथा 2022 में अपना प्रतिनिधि चुना और उत्तरोत्तर जनता का मुझे प्यार व स्नेह मिला है। पहले क्षेत्र में खारा व मैला जल की आपूर्ति, पेयजल की समस्या से पलायन तथा महिलाएं

पेयजल के लिए 1 किमी दूर तक परेशान होती थीं, मैंने संकल्प लिया और अथक प्रयास से गंगाजल प्रोजेक्ट को पूर्ण कराया। चूंकि यह बड़ी परियोजना थी अतः क्षेत्र की जनता को तत्काल राहत के रूप में 700 सबमर्सिबल, हैंडपंप, और रीबोर का कार्य कराया, उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि विधान सभा में 300 करोड़ से सड़कों, गलियों, कम्युनिटी हॉल का निर्माण, आवासीय क्षेत्रों में सस्ती पीएनजी गैस, तथा प्राचीन पेठा उद्योग जो टीटीजेड क्षेत्र में होने के कारण उजाड़ हो रहा था उसके लिए सस्ती गैस आपूर्ति का प्रबंध किया, क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा अपग्रेड करने के लिए एस एन मेडिकल कालेज में 300 करोड़ से सुपर स्पेशियलिटी विभाग के नवीन भवन, तथा आधुनिक चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। लेडी लॉयल अस्पताल में 100 करोड़ से आधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं युक्त नया भवन निर्माण कराया जा रहा है। तथा एस एन मेडिकल कॉलेज को एम्स स्तर का बनाने हेतु भूमि की उपलब्धता न होने की कमी को देखते हुए विशेष प्रयासों से लेडी लॉयल अस्पताल को एस एन मेडिकल कालेज से जोड़कर 17 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई। अब एस एन मेडिकल कॉलेज भी एम्स स्तरीय सुविधा युक्त होगा। मा. मंत्री जी ने प्रेस वार्ता में बताया कि कोरोना की महामारी काल में क्षेत्र के राशन कार्ड विहीन परिवारों में 20 हजार राशन किट, 1लाख मास्क, दवाई, सेनेटाइजर का वितरण तथा तीन स्तरीय सेनेटाइजेशन प्रोग्राम चला कर जनता को राहत देने का कार्य हुआ।

उन्होंने बताया कि जब ऑक्सीजन की कमी हुई तो विधायक निधि से प्रदेश में सर्वप्रथम ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना की घोषणा कर मानसिक चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट लगवाया। मा. मंत्री जी ने बताया कि आई टी पार्क शास्त्रीपुरम में बनकर तैयार है जल्द ही उसका शुभारंभ होगा तथा नई आई टी नीति का निर्माण कर आगरा को शामिल कराया। अब आगरा में भी आई टी आधारित उद्योग लगाने में इंसेंटिव मिलेगा जिससे उद्योग स्थापित होंगे और रोजगार मिलेगा। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि आगरा के लिए नक्षत्रशाला व साइंस पार्क हेतु 15 करोड़ का बजट का प्रावधान हो गया है, उन्होंने सांस्कृतिक तथा पर्यटन क्षेत्र में उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा कि आगरा मुगल संस्कृति से अलग भी इतिहास में अलग पहचान रखता है,मुगल म्यूजियम का नामकरण छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम रखने का प्रस्ताव रखा जिसे माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा स्वीकार किया गया, तथा शिवाजी महाराज के वास्तविक बंदीगृह पर शोध कराया और वास्तविक बंदीगृह कोठी मीना बाजार में जल्द ही 100 फीट ऊंची शिवाजी महाराज की प्रतिमा तथा म्यूजियम बनाने का प्रस्ताव पास कर कार्य किया जाएगा, इसी क्रम में उन्होंने बताया कि एडीए द्वारा जोनल पार्क में गीत गोविंद वाटिका का प्रस्ताव रखा जिसमें तुलसी, करील, कदंब के वृक्ष लगाने, कृष्ण लीलाओं से जोड़ने तथा लाइट एंड साउंड शो कराने की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि जनपद आगरा, मथुरा में 05 निजी विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी, विद्यार्थियों को तकनीकि से जोड़ने हेतु बड़ी संख्या में टैबलेट, लैपटॉप वितरण का कार्य किया गया, उन्होंने बताया कि जल्द ही उत्तर प्रदेश में विदेशी विश्वविद्यालय के कोर्स उपलब्ध होंगे अब कोई भी संसाधन विहीन, गरीब बच्चा विदेशी कोर्स, डिग्री ले सकेगा , आगरा को आईटी सिटी के रूप में विकसित करने हेतु 700 एकड़ भूमि की तलाश कराई जा रही है।

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशहूर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना

हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

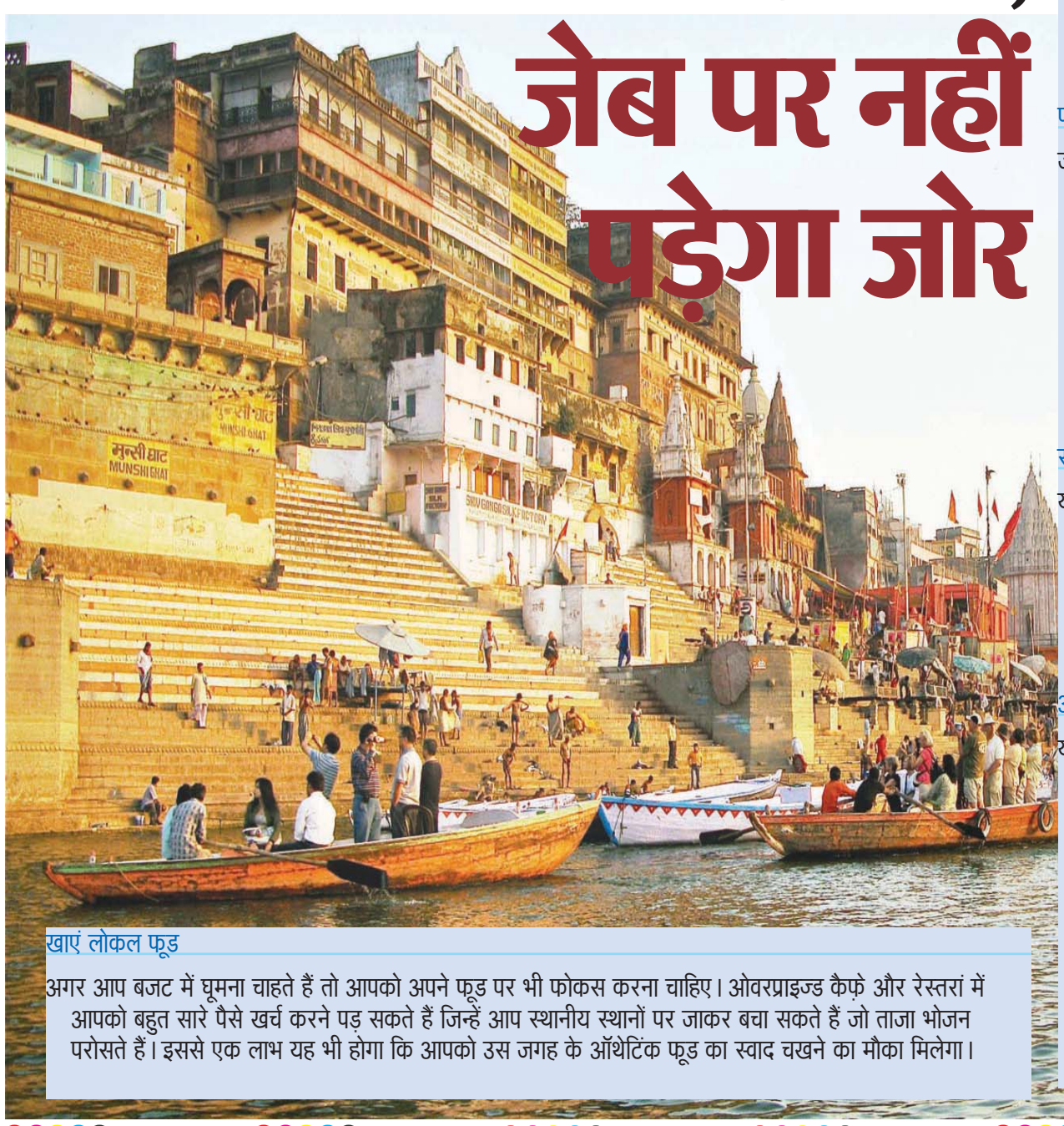

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेंटिक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

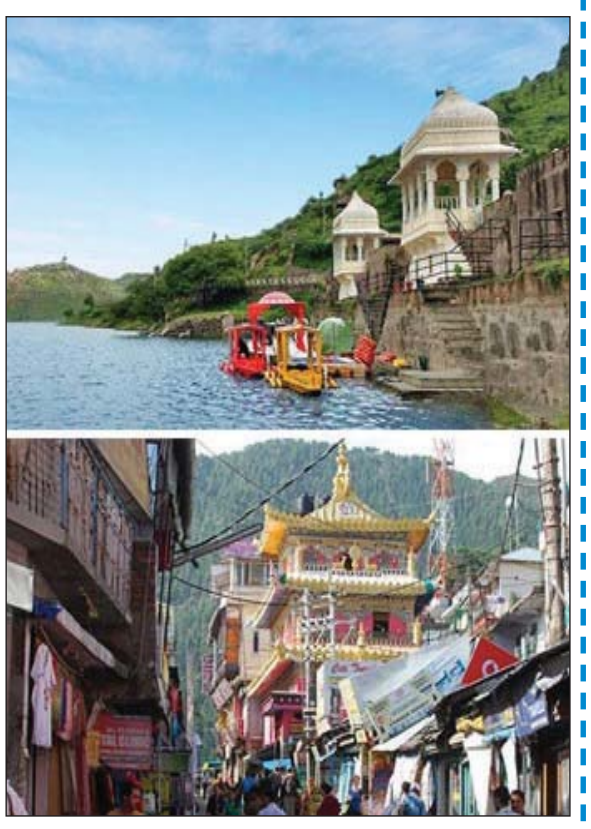

करना है पॉकेट फेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

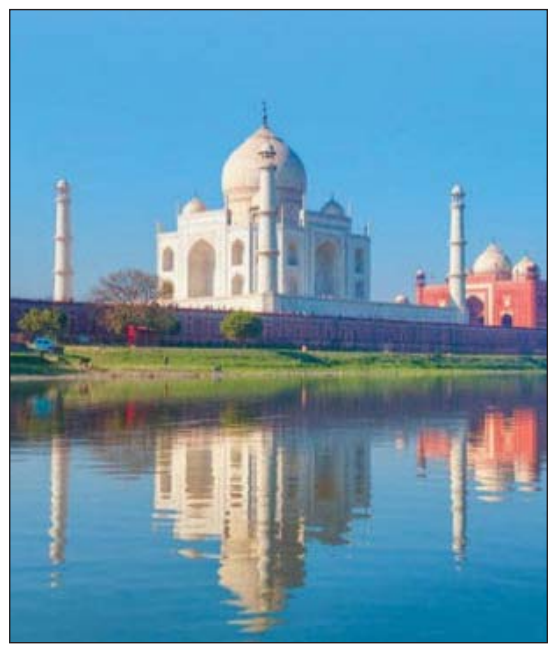

हम दिल दे चुके सनम के साथ

24 साल बाद भी जीवित है

संजय लीला भांसाली की संगीतीय प्रतिभा

संजय लीला भंसाली की मैग्नम ओपस हम दिल दे चुके सनम अपनी 24वीं सालगिरह मना रही है। यह एक अनोखी फिल्म है जिसने 1999 में रिलीज़ होकर पूरी दुनिया के दिलों को छू लिया था। इसमें दिलकश सीन्स, रोमांचकारी कहानी और यादगार प्रदर्शन सभी को दीवाना बनाने वाला था। इन सबके बावजूद फिल्म का सबसे खास हिस्सा उसका संगीत है, जो आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। हम दिल दे चुके सनम संजय भंसाली की महानता का साक्षी है, जो अपने अभिनेताओं से शानदार प्रदर्शन निकालने की क्षमता रखते हैं।

सलमान खान, ऐश्वर्या राय बच्चन और अजय देवगन जैसे अभिनेताओं के साथ इस फिल्म ने प्यार, त्याग और प्यार जैसे मुद्दों को छूने का प्रयास किया था। फिल्म की सफलता में उसका म्यूजिक एल्बम महत्वपूर्ण था, जो भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक टाइमलेस क्लासिक में आज भी प्रसिद्ध है। इस्माइल दरबार ने इसे संगीतिशों में मेलोडी, काव्य और दिल को छूने वाले भावों का बेहतरीन मिश्रण दिया है। हर एक गाना फिल्म की मूल उद्देश्यों को ध्यान में रखता है, कहानी को और चमकाता है और किरदारों की अलग-अलग भावनाओं को खूबसूरती के साथ पकड़ता है। इस अनोखे एल्बम में आंखों की गुस्ताखियां जैसा गीत है, जो एक प्यार करने वाला अपने साथी को अपनी भावनाओं का अहसास दिलाता है, कहता है कि आँखें ही हैं जो उन्हें प्रेम में व्यथित करती हैं, जो उन्हें प्यार में गिराती हैं।

ये गाने भावुकता से भरे हुए हैं। इसके अलावा, ढोली तारो ढोल बाजे एक जोश से भरा गीत है, जो नवरात्रि में पसंद किया जाता है और तड़प तड़प के एक जुदा हुए प्यार का यादगार गीत है, जो अभी भी टूटे दिलों के लिए क्लासिक माना जाता है। इसके साथ ही कैपूचे गीत है, जो मकर संक्रांति में बजाया जाता है। इस एल्बम में अलग-अलग संगीतिक शैलियों का बढ़िया संगम है, जो बिना किसी समस्या के फिल्म के दाल-बाटी में मिल जाती हैं। ये गाने सिर्फ कहानी की बताने के लिए ही नहीं हैं, बल्कि सुनने वालों के साथ गहरा भावनात्मक संबंध बनाते हैं। भंसाली की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह अपने कलाकारों से उनकी शानदार प्रदर्शन निकालने में माहिर हैं। वह उन्हें उनकी सीमाओं तक पहुंचाते हैं, उनकी भावनाओं को पकड़ते हैं और इन्हें सच्चाई के साथ स्क्रीन पर प्रस्तुत करते हैं।

हम दिल दे चुके सनम इस कौशल का एक सबूत है क्योंकि यह उन्होंने कलाकारों की बेहतरीन विशेषता दिखाई और उनके सबसे अच्छे प्रदर्शन को पेश किया। यही चीज उनकी दूसरी फिल्मों में भी देखा जा सकता है और भानसाली की इस काबिलियत के कारण, उनके कलाकार शानदार प्रदर्शन दे पाते हैं, और उन्हें कभी पछताने का मौका नहीं देते हैं। हम दिल दे चुके सनम का संगीत खास उल्लेख योग्य है। हर गाना तुरंत हिट बन गए और आज भी संगीत प्रेमियों द्वारा आदर्शित किया जाता है। चाहे वह खिलखिलाते हुए निम्बुडा निम्बुडा हो, आत्मा को छू लेने वाला तड़प तड़प हो, जोश से भरा ढोली तारो ढोल बाजे हो या टाइटल ट्रैक हम दिल दे चुके सनम हो, हर एक संगीत रचना दर्शकों के मन में संयोजन बनाती है। संजय लीला भांसाली की हम दिल दे चुके सनम एक सिनेमाटिक मास्टरपीस है जो दर्शकों को लगातार मोहित करता है, और इसके एक्स्ट्राआर्डिनरी म्यूजिक एल्बम के कारण यह बड़े हिस्से में है। फिल्म की एपिक स्टोरी टेलिंग, आउटस्टैंडिंग परफॉरमेंस, और संवेदनशीलता से निर्मित गीतों ने इसे बॉलीवुड क्लासिक्स के पंथनिर्माण में सुनिश्चित कर दिया है। जैसे की हम इसकी 24वीं वर्षगांठ मन रहे हैं, हमें हम दिल दे चुके सनम के कभी न खत्म होने वाले जादू को स्वीकार करने और इसके संगीत की शानदारता में आनंद लेने का समय है, जो हमारे दिल में हमेशा छिपा रहेगा।

जान्हवी , गुलशन और रोशन ने लंदन में उलझ की शूटिंग की शुरू

बॉलीवुड स्टार जान्हवी कपूर, गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू ने लंदन में उलझ की शूटिंग शुरू कर दी है। जान्हवी ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक फोटो शेयर की। फोटो में फिल्म का क्लैपबोर्ड और उनकी आंखें देखी जा सकती हैं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यही फोटो शेयर की। फिल्म भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के बारे में है और शूटिंग का बड़ा हिस्सा अलग-अलग विदेशी जगहों पर किए जाने की उम्मीद है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित फिल्म उलझ जान्हवी द्वारा निभाई गई एक युवा आईएफएस अधिकारी की कहानी है। फिल्म का निर्माण जंगली पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है, और इसमें राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस बीच, गुलशन की अपकमिंग फिल्म, गन्स एंड गुलाब, जो एक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर है, 1990 के दशक में सेट है। इसमें दुलारे सलमान, आदर्श गौरव और टीजे भानु भी हैं। जान्हवी वरुण धवन के साथ बवाल में नजर आएंगी। उनके पास राजकुमार राव अभिनीत मिस्टर एंड मिसेज माही भी है।

आदिपुरुष में सीता चित्रण को लेकर नेपाल में बवाल

काठमांडू. फिल्म 'आदिपुरुष में ''आपत्तिजनक शब्दों और सीता के चित्रण को लेकर नेपाल में बवाल मचा हुआ है। सोमवार नेपाल की राजधानी काठमांडू में सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। शहर के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह घोषणा की थी। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने काठमांडू महानगरीय क्षेत्र (केएमसी) में सभी हिंदी फिल्मों पर प्रतिबंध लगाये जाने संबंधी फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 'आदिपुरुष फिल्म के एक संवाद को हटाये बिना प्रदर्शित करने से ''अपूरणीय क्षति होगी। शाह ने अपनी फेसबुक पोस्ट में कहा, ''सोमवार, 19 जून से काठमांडू महानगरीय क्षेत्र में सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाएगी, क्योंकि फिल्म 'आदिपुरुष के संवाद में आपत्तिजनक शब्द अभी तक नहीं हटाए गए हैं। उन्होंने कहा, ''हमने तीन दिन पहले फिल्म से 'सीता माता भारत की बेटी हैं वाले संवाद के आपत्तिजनक हिस्से को तीन दिन के भीतर हटाने के लिए पहले ही नोटिस जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति दी जाती है तो ''हमारी राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक एकता को अपूरणीय क्षति होगी। शाह राजधानी शहर के सभी 17 सिनेमाघरों में वर्तमान में दिखाई जा रही सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन को रोकने के लिए प्रतिबद्ध दिखे। केएमसी के प्रवक्ता नवीन मनंधर ने कहा, ''केएमसी द्वारा जारी निर्देश के अनुसार काठमांडू के सभी सिनेमाघर सोमवार से भारतीय फिल्मों का प्रदर्शन बंद कर देंगे।

ब्रालेस होकर निकली नोरा

बॉलीवुड की डांसिग क्वीन नोरा फतेही लाखों दिलों की धड़कन हैं। वह अपने डांस मूव्स के अलावा अपने हॉट अवतार के लिए भी खूब पसंद की जाती हैं। हाल ही में नोरा को पैपराजी द्वारा स्पॉट किया गया। इस दौरान उन्होंने जिस तरह का आउटफिट पहना हुआ था उसे लेकर अब वह खूब ट्रोल की जा रही हैं। दरअसल, हाल ही में नोरा को ब्लैक सिक्विन गाउन में देखा गया। इस गाउन में नोरा बद से ज्यादा हॉट लग रही थीं। ध्यान खींचने वाली बात ये रही कि इस आउटफिट के नीचे नोरा ने ब्रा नहीं पहनी हुई थी। गाउन भी ट्रांसपेरेंट था जो यूजर्स को रास नहीं आया है और वह उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा- क्या फायदा इतने पैसे होने का, जब एक ब्रा तक नहीं खरीद पाई। एक ने लिखा- इसमें अंदर कुछ नहीं पहना क्या। एक अन्य यूजर ने लिखा- उसे लग रहा है कि वह बहुत खूबसूरत लग रही है लेकिन वह बहुत खराब लग रही है।

रश्मिका मंदाना के मैनेजर ने की

80 लाख की ठगी

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के मैनेजर ने उनसे 80 लाख की ठगी की है। एक्ट्रेस इस मामले में फिलहाल चुप हैं क्योंकि वो कोई तमाशा नहीं बनाना चाहती हैं। ये मैनेजर रश्मिका के साथ उनके काम के शुरुआत से जुड़ा/जुड़ी थी। इन दिनों वो पुष्पा 2 की शूटिंग में बिजी हैं।

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को आखिरी बार हिंदी थ्रिलर मिशन मजनू (2023) में देखा गया था और फिलहाल वो अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 में काम करने में व्यस्त हैं। उनके लंबे समय के मैनेजर ने कथित तौर पर 80 लाख की धोखाधड़ी की है, जिसके बाद उसे निकाल दिया गया है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना के बारे में जानने के बाद, रश्मिका मंदाना ने तुरंत अपने मैनेजर को बर्खास्त कर दिया, जो उनके करियर की शुरुआत से ही उनके साथ जुड़े हुए थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मैनेजर ने 80 लाख का धोखा दिया। उन्होंने अभी तक आधिकारिक तौर पर इस घटना पर प्रतिक्रिया या टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया, रश्मिका से उनके मैनेजर ने 80 लाख की ठगी की है। जाहिर है, वह इसके बारे में एक सीन नहीं बनाना चाहती थीं। इसलिए, उन्होंने अपने मैनेजर को निकाल कर खुद ही इससे निपट लिया।

शाहिद , कृति की एन इम्पॉसिबल लव स्टोरी

7 दिसंबर को होगी रिलीज

एक्टर शाहिद कपूर और कृति सेनन अभिनीत फिल्म एन इम्पॉसिबल लव स्टोरी इस साल 7 दिसंबर को रिलीज होगी। दिनेश विजान ने सोमवार सुबह मैडॉक फिल्म्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर खबर साझा की। निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर भी साझा किया। उस पर रिलिजिंग डेट 7 दिसंबर लिखी गई। फिल्म का निर्देशन अमित जोशी और आराधना साह ने किया है। इसमें कई अन्य नामों के साथ डिंपल कपाड़िया और धर्मेंद्र भी हैं। यह पहली बार होगा जब कृति और शाहिद एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म से जुड़े अन्य डिटेल्स अभी सीक्रेट्स रखे गए हैं।

मैं सस्ता मजदूर हूं: मनोज बाजपेयी

ओटीटी की दुनिया में द फैमिली मैन जैसे शो से छाने वाले मनोज बाजपेयी ने हाल ही शॉकिंग खुलासा किया है। एक्टर ने कहा कि उन्हें इस शो के लिए बहुत कम पैसे मिले। मनोज ने खुद को सस्ता मजदूर बताया और कहा कि ओटीटी सिर्फ बड़े स्टार्स या हॉलीवुड के लोगों को भर-भरके पैसे देते हैं। एक्टर मनोज बाजपेयी इस वक्त फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है को लेकर चर्चा में हैं, जो कुछ समय पहले ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी। ओटीटी की दुनिया में मनोज बाजपेयी द फैमिली मैन और द फैमिली मैन 2 में भी नजर आए। बहुत से लोगों को लगता है कि ओटीटी का स्टार बनने के बाद एक्टर की डिमांड बढ़ गई है तो फीस भी बढ़ गई होगी। उन्हें भी उतने ही पैसे मिलने लगे होंगे, जितने किसी अन्य बड़े स्टार को ओटीटी पर काम करने के लिए मिलते हैं। पर ऐसा नहीं है। मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्हें अभी भी ओटीटी पर काम करने की उतनी फीस नहीं मिलती है, जितनी मिलनी चाहिए। हाल ही एक इंटरव्यू में इसे लेकर उनका दर्द छलका। उन्होंने बताया कि उन्हें उतना पैसा नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए था। बातचीत में मनोज बाजपेयी से उनके बैंक बैलेंस और फीस के बारे में पूछा गया था। जवाब में एक्टर ने कहा कि वह गली गुलियां और भोसले जैसे शोज करके मोटा पैसा नहीं कमा सकते।

जैकलीन ने बदली अपने नाम की स्पेलिंग, हुईं ट्रोल

बॉलीवुड सेलेब्स अक्सर अपने नाम और नाम की स्पेलिंग में बदलाव करते रहते हैं। आयुष्मान खुराना से लेकर अजय देवगन तक अपने नाम की स्पेलिंग में बदलाव कर चुके हैं। अब जैकलीन फर्नांडिस ने भी इंस्टाग्राम पर अपने नाम की स्पेलिंग बदल ली है। जैकलीन ने अपने नाम की स्पेलिंग में अंग्रेजी का एक अतिरिक्त ई जोड़ा है। नाम की स्पेलिंग बदलने के बाद जैकलीन ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ गई है। एक यूजर ने लिखा, जैकलीन ने न्यूमरोलॉजी के मुताबिक अपने नाम में बदलाव किया है। लगता है बुरे वक्त ने उन्हें अंधविश्वासी बना दिया है। एक अन्य ने लिखा, मुझे तो उनके नाम की पुरानी स्पेलिंग भी कभी लेनी नहीं आई। अब इसमें और शब्द जुड़ गए। बता दें कि जैकलीन फर्नांडिस बीते काफी समय से ठग सुकेश चंद्रशेखर संग नाम जुड़ने से मुश्किलों में फंसी हुई है। ठगी मामले मे ईडी ने सुकेश के साथ जैकलीन को भी आरोपी बनाया है। वहीं सुकेश अक्सर जेल से जैकलीन को लव लेटर लिखता रहता है। जैकलीन फर्नांडिस के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में सलमान खान के साथ दबंग टू रिलोडेड में नजर आई थीं। वह जल्द ही फिल्म फतेह में सोनू सूद के साथ नजर आने वाली हैं। इसके अलावा उनके पास विद्यूत जामवाल के साथ फिल्म क्रैक भी है।

निगोहां में मिशन शक्ति के तहत महिलाओ व युवतियों को किया जागरूक

मोहनलालगंज।निगोहां के हरिहरपुर पटसा गांव स्थित जगदीश प्रसाद मेमोरियल इंटर कालेज में बुधवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया,कार्यक्रम के दौरान महिला आरक्षियों द्वारा मौजूद गांव की महिलाओं व युवतियों को बताया कि महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों व उनके कानूनी अधिकारों की विधिवत जानकारियां दी गई।जिसके मौजूद महिलाएं और युवतियों को पम्पलेट बांटकर टोल फ्री नंबर 1090,112,181,1930 की विधिवत जानकारी दी गयी,तथा थाने पर गठित महिला हेल्प डेस्क के बारे में जानकारी देते हुए अश्वनलाइन ठगी से बचने के उपायों के बारे में जानकारियां दी गई।साथ ही मौजूद महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना,मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना,आजीविका मिशन,बैंक सखी,कन्या सुमंगला योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना सहित कई अन्य योजनाओ के बारे में जानकारियां दी गयीं,जो भी इन योजनाओं से संबंधित पात्र लाभार्थी हैं,इन योजनाओं का लाभ ग्राम प्रधान व सचिव से मिलकर ले सकते हैं,इस दौरान ग्राम प्रधान उर्मिला द्विवेदी,सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह,महिला आरक्षी वर्षा शर्मा,आरती,हेडकांस्टेबल इंद्रजीत राय,आंगनबाड़ी कार्यकत्री शिवकांती पांडेय,आशाबहू उषा पाल,पंचायत सहायक निपुन पाल,सफाईकर्मी ब्रजेश त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं मौजूद रहीं।

परिषदीय विद्यालयों में छात्र छात्राओं को कराया गया योगाभ्यास

मोहनलालगंज। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मोहनलालगंज क्षेत्र के परिषदीय विद्यालय यूपीएस बरवलिया व प्राथमिक विद्यालय धनुवासांड मे योग दिवस के अवसर पर विद्यालय के शिक्षक व छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास किया। यूपीएस बरवलिया में प्रधानाध्यापक विनय कुमार सिंह अध्यापिका स्मिता उपाध्याय व शिक्षक अनुराग तिवारी ने बच्चों को योगाभ्यास कराते हुए योग से होने वाले फायदे व स्वास्थ्य के बारे में सभी छात्र छात्राओं को जानकारी दीद्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनय कुमार सिंह ने बच्चों को योग के प्रति जागरूक किया। प्राथमिक विद्यालय धनुवासांड में प्रधान ष्ण शरण सिंह प्रद्युम, प्रधानाध्यापिका विमलेश मौखरी, सहायक अध्यापक दिनेश सिंह,जया बिष्ट समेत ग्राम वासियों ने छात्र- छात्राओं के साथ योगाभ्यास किया गयाद्य प्रधानाध्यापिका विमलेश मौखरी ने कहा प्रतिदिन योग करने से मनुष्य को बहुत सी बिमारियों से छुटकारा मिल सकता है।द्यइस मौके पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमे दर्जनों छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया प्रतियोगिता मे कक्षा चार की छात्रा माही आनंद ने प्रथम कक्षा पांच के हर्षित यादव द्वतीय व कक्षा चार की छात्रा प्रतिक्षा ने तृतीय पुरुस्कार प्राप्त कियाद्यकार्यक्रम के अंत मे सभी छात्र- छात्राओं सहित मौजूद लोगों को मिष्ठान वितरण कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

योग दिवस से पहले मुख्यमंत्री ने कसा तंज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। देश के तमाम बड़े नेताओं के सुबह योग कार्यक्रम के शेड्यूल तय हो गए हैं। इधर, योग दिवस से ठीक पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर भाजपा पर तंज कसा। केजरीवाल ने ट्वीट किया है कि 'कल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। ये दिवस हमें योग करने के लिए प्रेरित करता है। दो वर्ष पहले दिल्ली सरकार ने दिल्ली वालों के लिए फ्री योग क्लासेज शुरू की। लगभग 17,000 लोग प्रतिदिन इनमें योग करने लगे। पिछले वर्ष इन्होंने ये योग क्लासेज बंद करवा दीं। लोग बहुत दुःखी हुए। इससे किसका फायदा हुआ? क्या इस तरह जन हितकारी कार्यक्रम बंद करने चाहिय। केजरीवाल ने कहा है कि हमारे लिये तो योग दिवस उस दिन होगा जब मैं अपने दिल्लीवालों के लिए फिर से फ्री योग क्लासेज शुरू करूंगा। पर अच्छी नीयत हो तो भगवान भी साथ देते हैं। इन्होंने हमें दिल्ली में रोका, हमने पंजाब में फ्री

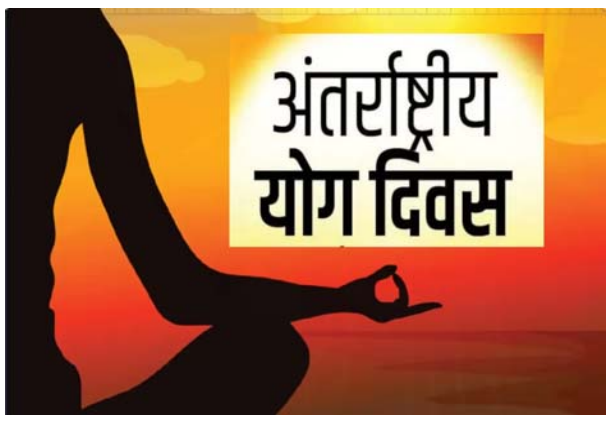

योग क्लासेज शुरू कर दीं। मुझे खुशी है पंजाब में इसे लोगों का जबर्दस्त समर्थन मिल रहा है।' उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने दिसंबर 2021 में दिल्ली की योगशाला नाम से कार्यक्रम शुरू किया था। जिसमें दिल्ली के अलग-अलग इलाकों के पार्कों व सार्वजनिक स्थानों पर 25 से ज्यादा लोग इकट्ठे होकर अगर दिल्ली सरकार को मिस्ड कॉल करें तो सरकार एक प्रशिक्षक भेजती थी और उनको प्रतिदिन फ्री में योग सिखाती और करवाती थी। करीब 590 स्थानों पर रोजाना योग की क्लासेज चलती थी।

विपक्षी दलों की बैठक में दिल्ली का अध्यादेश होगा मुख्य एजेंडा : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री का कहना है कि पटना में आगामी 23 जून को होने जा रही विपक्षी दलों की बैठक में केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली को लेकर लाए गए अध्यादेश का मुद्दा छाया रहेगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर बुलाई गई इस बैठक में कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दलों के शामिल होने की संभावना है। यह बैठक हालांकि लोकसभा चुनाव 2024 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को चुनौती देने के लिए बुलाई जा रही है। पर केजरीवाल का दावा है कि विपक्षी दलों की बैठक में केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली पर लाया गया अध्यादेश मुख्य एजेंडा होगा। इस संबंध में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि पटना में होने वाली बैठक में सभी राजनीतिक दल पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि इस बैठक का पहला एजेंडा

केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली पर लाया गया अध्यादेश होगा। केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर दिल्ली के अंदर जनतंत्र को खत्म करने का प्रयास किया गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री का कहना है कि बैठक में कांग्रेस से अध्यादेश पर सभी दलों को समझाने की कोशिश करेंगे कि कैसे केंद्र सरकार इसी तरह का अध्यादेश पूर्ण राज्यों में भी ला सकती है और इसके माध्यम से समवर्ती सूची में शामिल विषयों को खत्म कर सकती है।

कोविड से जान गंवाने वाले कोरोना योद्धा के परिजनों को दी एक करोड़ रुपए की आर्थिक मदद

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दिशा निर्देशों पर स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कोरोना महामारी में ड्यूटी के दौरान कोविड-19 की चपेट में आकर अपनी जान गंवाने वाले कोरोना योद्धा स्वर्गीय मोहन सिंह नेगी के परिजनों से मुलाकात की। साथ ही उन्हें दिल्ली सरकार की तरफ से एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि का चेक सौंपा। भारद्वाज ने बताया कि लाजपत नगर निवासी स्वर्गीय मोहन सिंह नेगी लाजपत नगर कॉलोनी अस्पताल में ऑपरेशन थियेटर असिस्टेंट के तौर पर कार्यरत थे। ड्यूटी के दौरान लोगों की सेवा करते हुए कोरोना संक्रमित हुए और 2 मई, 2021 को उनका स्वर्गवास हो गया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भले ही अनुग्रह राशि परिवार को हुए नुकसान की भरपाई ना कर पाए, लेकिन मुझे उम्मीद है कि परिजनों को इस आर्थिक मदद से अपना भविष्य संवारने एवं जीवनयापन में थोड़ी सहायता मिलेगी।इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने स्वर्गीय मोहन सिंह के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और भविष्य में भी जरूरत पड़ने पर हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। भारद्वाज ने बताया कि स्वर्गीय मोहन सिंह नेगी ने अपने जीवन के करीब 32 साल लोगों की सेवा को समर्पित किये और साल 2028 में उनकी रिटायरमेंट थी। उनकी जान की कीमत तो

नहीं लगाई जा सकती है, लेकिन यह 'सम्मान राशि' केजरीवाल सरकार के लिए कोरोना योद्धाओं द्वारा किए गए बलिदान को श्रद्धांजलि देने का एक तरीका है।स्वर्गीय मोहन सिंह नेगी के परिवार में उनकी पत्नी और बेटा - बेटी है। दो बेटियों में सबसे बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। वहीं, दूसरी बेटी ने ग्रेजुएशन कम्पलीट की है और बेटा एमसीडी में कार्यरत है।

बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज के लिए विनेश फोगट को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। डबल वर्ल्ड चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता विनेश फोगट, जो बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 38 दिनों तक चले विरोध का चेहरा थीं, के अगले महीने बुडापेस्ट में पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल प्रतियोगिता में भाग लेने की संभावना है। बुडापेस्ट इवेंट कुश्ती की वर्ष की चौथी और अंतिम रैंकिंग श्रृंखला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खेल को चलाने वाली एड हॉक कमेटी और सरकार के अधिकारियों के बीच मंगलवार को हुई बैठक में उनके नाम को मंजूरी दी गई। विनेश ने टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया और रियो खेलों की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक के साथ कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। तीन पहलवान जगरेब (फरवरी), एलेक्जेंड्रिया (फरवरी) और बिश्केक (जून) रैंकिंग सीरीज के साथ-साथ अप्रैल में एशियाई चैंपियनशिप से चूक गए थे।

एनसीसीएसए की पहली बैठक के बाद केजरीवाल ने कहा- अध्यादेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) की पहली बैठक हुई। इसमें दिल्ली सरकार में तैनात फॉरेंसिक अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का फैसला लिया गया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता कर फिर अध्यादेश और उसके तहत इस अथॉरिटी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस अध्यादेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी, हमें उम्मीद है कि वहां से राहत मिलेगी।

केजरीवाल ने कहा कि इस अथॉरिटी में केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री के ऊपर दो अफसरों को बैठा दिया है। केंद्र सरकार अफसरों के जरिए दिल्ली सरकार को चला रही है। उन्होंने कहा कि हमारा देश एक जनतंत्र है। जनतंत्र भारत के संविधान की मूल

आत्मा है। चुनी हुई सरकार से सारे अधिकार छीन लिये गए हैं। केंद्र सरकार अफसरों के जरिए दिल्ली सरकार चला रही है। अफसर केंद्र सरकार को रिपोर्ट करते हैं।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि दुनिया के इतिहास में पहली बार भाजपा ने ऐसा षड्यंत्र रचा है। अफसरशाही चुनी हुई सरकार के ऊपर होगी, क्योंकि अफसरों के ऊपर केंद्र सरकार होगी। केंद्र सरकार अफसरों को नियंत्रित करेगी। केजरीवाल ने कहा कि अगर मंत्री कोई आदेश देगा तो अफसर तय करेगा कि यह आदेश सही है या गलत। वह अफसर आदेश मानने से इनकार कर सकता है। सरकार कैसे चलेगी? मान लो हमने कहा कि दो स्कूल बनाने हैं, अफसर बोलेंगे की स्कूल की जरूरत नहीं है, तो स्कूल नहीं बनेगा।प्रेस वार्ता में केजरीवाल ने कहा कि भाजपा दिल्ली में चार चुनाव बुरी तरह से हार गई है। अगले कई सालों तक दिल्ली जीतने की उनकी कोई उम्मीद नहीं है। भाजपा ने इस अध्यादेश के जरिए दिल्ली को हथियाने की कोशिश की है। ये अध्यादेश मंत्रियों, मुख्यमंत्री और कैबिनेट के ऊपर अफसरों को बिठाता है। हर विभाग में अब अंतिम निर्णय मंत्री का नहीं, विभाग के सचिव का होगा।

सचिव मंत्री के निर्णय को खारिज कर सकता है। कैबिनेट के ऊपर मुख्य सचिव होगा, जो तय करेगा कि कैबिनेट का कौन सा निर्णय सही है। अथॉरिटी में मुख्यमंत्री के निर्णय को पलटने के लिए सीएम के ऊपर दो अफसरों को बिठा दिया गया है। अफसरों की मर्जी के बिना कोई प्रस्ताव कैबिनेट में नहीं लाया जा सकता है। आगे मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 दिन पहले एक फाइल आई थी, जिसमें एक अधिकारी को सस्पेंड करना था। उन्होंने तीन-चार सवाल उससे संबंधित पूछे। वह फाइल दोबारा वापस नहीं आई। वह फाइल सीधे एलजी के पास चली गई और उस फाइल पर लिखा गया कि ऑथोरिटी के तीन मेंबर में से दो मेंबर ने सहमति दे दी है।

इसीलिए इसे पास मान लिया जाता है और एलजी साहब ने उसे सस्पेंड कर दिया। मेरे पास न ऊपर जाते हुए फाइल आई न नीचे जाते समय फाइल आएगी। हम इस अध्यादेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट में हमें राहत मिलेगी। अगर राज्यसभा में यह अध्यादेश पेश होता है तो वहां भी इसका विरोध करेंगे। बिहार के पटना में 23 जून को होने वाली सर्वदलीय बैठक के बारे में केजरीवाल ने कहा कि उस मीटिंग का पहला एजेंडा होगा अध्यादेश। अध्यादेश के बारे में वहां पर सभी पार्टियों को समझाऊंगा, बताऊंगा कि यह अध्यादेश किसी भी राज्य के लिए लाया जा सकता है।

दिल्ली हाईकोर्ट का 'आदिपुरुष' से जुड़ी याचिका की त्वरित सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक दक्षिणपंथी समूह द्वारा 'आदिपुरुष' से कथित आपत्तिजनक दृश्यों को हटाने या सुधारने के निर्देश की मांग वाली याचिका की तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। ओम राउत द्वारा निर्देशित फिल्म 16 जून को देश भर में रिलीज हुई और जनहित याचिका के रूप में दायर याचिका में दावा किया गया है कि फिल्म के पात्र हिंदू महाकाव्य रामायण में इन धार्मिक शख्सियतों के चित्रण से अलग हैं। याचिकाकर्ता, हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता के वकील ने याचिका को बुधवार या शुक्रवार को सूचीबद्ध करने की मांग की, जिसे शुरू में 30 जून के लिए सूचीबद्ध किया गया था। वकील ने कहा, मैं याचिका को आज या शुक्रवार को सूचीबद्ध करने की मांग कर रहा हूं, क्योंकि फिल्म में कई विवादास्पद दृश्य हैं।

वकील ने आगे तर्क दिया, जब फिल्म का टीजर रिलीज किया गया तो हंगामा हुआ। निर्देशक ने कुछ हिस्सों को हटाने का वादा किया, लेकिन इसे नहीं हटाया गया। इसी तरह जब फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ तो यह फिर से हुआ, उन्होंने फिर से वादा किया। वर्तमान में यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी प्रभाव डाल रहा है। यहां तक कि नेपाल ने भी फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, जस्टिस तारा वितस्ता गंजू और अमित महाजन की अवकाश पीठ ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति गंजू ने मौखिक रूप से टिप्पणी की, आप को फिल्म की रिलीज के बारे में

पहले से ही अच्छी तरह पता है। अगर यह पहले ही रिलीज हो चुकी है तो आप क्या रोक रहे हैं?

जनहित याचिका 1952 के सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के तहत फिल्म को दिए गए प्रमाणन को भी चुनौती देती है और इसमें निर्देशक, निर्माता और आधिकारिक पार्टियों को उत्तरदाताओं के रूप में नामित किया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि फिल्म गलत और अनुचित तरीके से धार्मिक चरित्रों को पेश करके हिंदू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाती है जो महर्षि वाल्मीकि और तुलसीदास जैसे लेखकों की कृतियों के विवरणों के खिलाफ है।

याचिका में तर्क दिया गया है कि फिल्म में रावण (सैफ अली खान द्वारा अभिनीत) और भगवान हनुमान जैसे पात्रों का चित्रण भारतीय सभ्यता से पूरी तरह से अलग है। याचिका में आरोप लगाया गया है, फिल्म में सैफ अली खान द्वारा निभाए गए रावण के चरित्र का दाढ़ी वाला लुक हिंदू समुदाय की भावनाओं को आहत कर रहा है क्योंकि हिंदू ब्राह्मण रावण को गलत तरीके से भयानक चेहरा बनाते हुए दिखाया गया है जो हिंदू सभ्यता, हिंदू धार्मिक हस्तियों, मूर्तियों, आदशरें, आदि का घोर अपमान है।

याचिका में यह भी दावा किया गया है कि हिंदू धार्मिक चरित्रों के गलत चित्रण ने रामानंद सागर के 'रामायण' में इन पात्रों को चित्रित करने वाले अभिनेताओं सहित देश भर से आलोचना और नाराजगी को जन्म दिया है। याचिका में दावा किया गया है, हेयर स्टाइल, दाढ़ी, मूंछें और पहनावे सहित दिखावे को उन महाकाव्यों में बनाई गई छवि के अनुसार अच्छी तरह से परिभाषित किया गया है। फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों और अभिनेताओं द्वारा इन छवियों में कोई भी बदलाव निश्चित रूप से उपासकों, भक्तों और धार्मिक आस्था वालों की भावनाओं को आहत करेगा। फिल्म में भगवान राम, सीता और रावण की प्रमुख भूमिकाओं में क्रमशः प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान हैं।

गाजियाबाद में नेशनल हाईवे पर युवक-युवती की अश्लील स्टंटबाजी, पुलिस ने शुरू की जांच

गाजियाबाद। गाजियाबाद में नेशनल हाईवे पर अश्लील स्टंट का वीडियो सामने आया है। इसमें युवक और युवती एक-दूसरे को बाहों में भरकर बाइक ड्राइव कर रहे हैं। वीडियो 20 जून की रात करीब साढ़े 12 बजे का नेशनल हाईवे-9 का है, जो दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे से सटा हुआ है। गाजियाबाद के टूर ट्रेवल ऑपरेटर सुधांशु अपनी कार से घर लौट रहे थे। उन्होंने इस वीडियो को शूट किया। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने इस वीडियो का संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी है। एडीसीपी (ट्रैफिक) रामानंद कुशवाहा ने कहा, हम इस वीडियो की जांच करा रहे हैं। वीडियो में युवक-युवती हेलमेट पहने हुए नहीं हैं। वे ट्रैफिक रूल्स का उल्लंघन भी कर रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज से बाइक नंबर का पता लगाया जा रहा है। इस मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह कोई पहला मामला नहीं है। पहले

भी कई स्टंट बाजी के मामले सामने आए हैं। जिन पर पुलिस ने कठोर कार्रवाई की है इससे पहले भी

गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने इस वीडियो का संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी है। एडीसीपी (ट्रैफिक) रामानंद कुशवाहा ने कहा, हम इस वीडियो की जांच करा रहे हैं।

गाजियाबाद के एलिवेटेड रोड पर लगातार स्टंटबाजी और गाड़ी रोककर सेलिब्रेशन के मामले बढ़ते जा रहे थे। जिसको देखकर पुलिस ने वहां पर सीसीटीवी कैमरा लगवाए हैं। जिनके जरिए गाड़ी के नंबर को ट्रेस कर उन पर चालान और एक्शन किया जा रहा है।बाइक पर अश्लील स्टंट का वीडियो को देखकर पुलिस इसकी जांच कर रही है और कठोर कार्रवाई करने की बात भी कर रही है।

हरियाणा के घर में खड़ी थी बाइक, गाजियाबाद में कटा 14 बार चालान

गाजियाबाद। गाजियाबाद से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। हरियाणा के एक घर में खड़ी बाइक का गाजियाबाद में करीब 14 बार चालान कटा और हर बार चालान बाइक मालिक के नंबर पर पहुंच जाता था।

परेशान होकर बाइक मालिक ने गाजियाबाद पहुंचकर कवि नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने पड़ताल की तो पता चला कि जिस बाइक का इतनी बार चालान कटा है, वह चोरी की है। जांच में पता चला कि आरोपी ने बाइक की चोरी कर अपने जीजा को चलाने के लिए दी थी, उसका जीजा भी पिछले 3 साल से उस बाइक का इस्तेमाल कर रहा था। पूछताछ में पता चला कि आरोपी साला पहले ही मध्य प्रदेश में आगर मालवा जेल में गांजा तस्करी में बंद है। पुलिस ने उसके जीजा को भी गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, हरियाणा में नवाबगढ़ के मुस्तफा खान ने थाना गाजियाबाद के कवि नगर में रिपोर्ट दर्ज करवाई की उनकी बाइक पिछले 6 महीने से घर में खड़ी है। फिर भी उनको अब तक कई चालान मिल चुके हैं। पुलिस ने जब जांच की तो गाजियाबाद के रहने वाले अजीत को थाने बुलाया गया।

पूछताछ में उसने बताया कि उसको बुलेट बुलंदशहर के रहने वाले उसके साले सुनीत उर्फ सुनील ने दी है। फिलहाल, सुनील मध्य प्रदेश के आगर मालवा की जेल में गांजा तस्करी के मामले में बंद है। बाइक की तलाश की गई तो पता चला कि उसका चेचिस नंबर मिटाने का प्रयास किया गया है। बाइक को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर पता चलेगा कि बाइक कहां से चोरी की गई थी।

एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि 'गिरफ्तार आरोपित रजापुर का अजीत सिंह उर्फ आजाद है।' पुलिस के मुताबिक, 'अजीत को चोरी व फर्जीवाड़े के आरोप में गिरफ्तार किया है। उस पर पूर्व में कोई केस दर्ज नहीं है।'

(हिन्दी दैनिक) खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210